आषाढ़ कृष्ण - 8 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 319 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 19-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 वोट बैंक की राजनीति के लिए आरक्षण का दुरुपयोग कर रही ममता सरकार

6 एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

7 'मैं हमेशा कांजीवरम गर्ल रहूंगी' : पूजा हेगड़े

फर्स्ट टेक

सरकार अब भी 'लेटरल एंट्री' के लिए तैयार है: केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि सरकार अब भी 'लेटरल एंट्री' भर्ती के लिए तैयार है और इस योजना को अब तक छोड़ा नहीं गया है। 'लेटरल एंट्री' का मतलब सरकारी विभागों में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की नियुक्ति है। मंत्री ने यहां 'सेवा और परिवर्तनकारी शासन के 11 वर्ष' पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहा, ''हम अब भी इसके (लेटरल एंट्री भर्ती) लिए तैयार हैं। इसे छोड़ा नहीं गया है।'' कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बहुत नेक इरादे से इस पहल की शुरुआत की है। उन्होंने कहा, ''नहीं, हमने इसे (लेटरल एंट्री) स्थगित नहीं किया है।''

पीएमएवाई शहरी के तहत 2.35 लाख मकानों के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी 2.0 (पीएमएवाई–यू 2.0) के अंतर्गत 2.35 लाख मकानों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने आज बताया कि केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (सीएसएमसी) की तीसरी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी 2.0 के अंतर्गत 2.35 लाख मकानों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने बैठक के दौरान बड़े राज्यों को किफायती आवास नीति तैयार करने और पीएमएवाई–यू 2.0 के साझेदारी में किफायती आवास (एएचपी) वर्टिकल के अंतर्गत प्रस्ताव लाने का निर्देश दिया।

ईरान में भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु

नई दिल्ली/भाषा। भारत सरकार ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण बिगड़ती स्थिति को देखते हुए ईरान में भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार पिछले कई दिनों से ईरान से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। पहले कदम के रूप में, भारतीय दूतावास ने उत्तरी ईरान से 110 भारतीय छात्रों को निकाला है, जिससे उन्हें 17 जून को सुरक्षित रूप से आर्मेनिया में प्रवेश करने में सहायता मिली है। छात्रों ने ईरान और आर्मेनिया में हमारे मिशनों की देखरेख में सड़क मार्ग से अर्मेनियाई राजधानी येरेवन की यात्रा की है। ये छात्र 18 जून को 1455 बजे येरेवन से विशेष उड़ान से रवाना हुए और ऑपरेशन सिंधु के प्रारंभिक चरणों के हिस्से के रूप में 19 जून के शुरुआती घंटों में नई दिल्ली पहुंचेंगे।

सूर्यास्त 19-06-2025 6:37 बजे	सूर्योदय 20-06-2025 5:43 बजे
BSE 81,444.66 (-138.64)	NSE 24,812.05 (-41.35)
सोना 10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 120,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

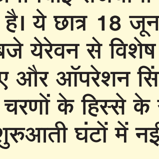

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गफलत में सब

हम बचा न पाए जानों को,
बच गई किताबें क्या मतलब।
हम चमत्कार के अभ्यासी,
शायद हो जाए क्या कुछ कब।
हर घटना दुर्घटना पर बस,
कह देते सबकुछ करता रब।
अपनी भूलों पर ढँक पर्दे,
गफलत में रहते हैं हम सब।।

ऊर्जा सुरक्षा पर जी-7 आउटरीच सत्र के दौरान मोदी ने कहा

निजी हितों की खातिर आतंक को मूक समर्थन मानवता के साथ विश्वासघात

▪ वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए- यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।

कनानास्किस (कनाडा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाये जाने के मुद्दे पर विश्व के ताकतवर देशों को सीधे सीधे चुनौती दी और उनसे दो टूक शब्दों में कहा कि निजी हितों के लिए, आतंकवाद को मूक सम्मति देना, आतंक या आतंकवादियों का साथ देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है।

मोदी ने यहां मंगलवार को ऊर्जा सुरक्षा पर जी–7 आउटरीच सत्र के दौरान अपने संबोधन में आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक शक्तियों से सीधे एवं कठोर सवाल पूछे। मोदी ने कहा, एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं– वह है आतंकवाद। आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हाल ही में भारत को एक क्रूर और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा। बाइस अप्रैल को हुआ आतंकवादी हमला केवल पहलगाम पर ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर भी सीधा आघात था। यह पूरी मानवता पर आघात था। आप सभी मित्रों ने जिन कड़े शब्दों में इसकी निंदा की, संवेदनायें व्यक्त की, उसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। लोकतान्त्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी देशों का विरोधी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य है। भारत के पड़ोस में तो आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउन्ड है! वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए– यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। लेकिन दुर्भाग्यवश, वास्तविकता इसके उलट है।

क्रोएशिया में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता

जगरेब/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और क्रोएशिया इस बात पर सहमत हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं निकल सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि बातचीत और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। क्रोएशिया के अपने समकक्ष आंद्रेज प्लेंकोविक के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद मीडिया को जारी एक संयुक्त बयान में मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक योजना बनाई जाएगी। मोदी ने कहा कि उन्होंने और क्रोएशिया के उनके समकक्ष ने द्विपक्षीय संबंधों को ''तीन गुना'' गति देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''हम इस बात पर सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। आतंकवाद लोकतंत्र में विश्वास रखने वाली ताकतों के लिए दुश्मन के समान है। हम इस बात पर सहमत हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं पाया जा सकता है और बातचीत एवं कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है।''

मोदी ने ट्रंप से कहा

भारत को मध्यस्थता स्वीकार नहीं, पाकिस्तान के अनुरोध पर 'ऑपरेशन सिंदूर' रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ ट्रंप के साथ मंगलवार को फोन पर करीब 35 मिनट तक हुई मोदी की हुई बातचीत

▪ भारत अब आतंकवाद को ''छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखता है''

कनैनिस्किस (कनाडा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष रोकने में मध्यस्थता की भूमिका निभाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज करते हुए उन्हें बताया कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद पिछले महीने सैन्य कार्रवाई रोकी थी।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि ट्रंप के साथ मंगलवार को फोन पर करीब 35 मिनट तक हुई बातचीत में मोदी ने साफ तौर पर कहा कि भारत मध्यस्थता स्वीकार नहीं करता है और 'न कभी स्वीकार' करेगा। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद के अनुरोध पर सैन्य कार्रवाई रोकने पर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत शुरू हुई थी।

मिसरी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत अब आतंकवाद को ''छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखता है'' और भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है।

पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अर्नाला' नौसेना बेड़े में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस अर्नाला को बुधवार को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। अर्नाला उथले जल के युद्धपोत शृंखला का पहला जहाज है और यह पानी की सतह के नीचे निगरानी, खोज और बचाव अभियान तथा कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

ईरान पर इजराइल के हमले तेज

ईरान ने अमेरिकी हस्तक्षेप से पूर्ण युद्ध छिड़ जाने की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ इजराइल की सेना ने ईरान के केरमानशाह क्षेत्र में एक अड्डे पर ईरान के पांच एएच-1 हेलीकॉप्टर को नष्ट कर दिया।

दुबई/एपी। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने यूरेनियम 'सेंट्रीफ्यूज' और मिसाइलों के कल–पुर्जे बनाने वाले केंद्रों को निशाना बनाते हुए मंगलवार देर रात ईरान की राजधानी तेहरान पर बमबारी की। वहीं, बुधवार को ईरान ने इजराइल पर कई मिसाइलें दागीं और चेतावनी दी कि अमेरिका के किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़ जाएगा।

ईरान के ताजा हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने 'अल जजीरा इंग्लिश' समाचार चैनल पर प्रसारित एक साक्षात्कार के दौरान कहा, ''अमेरिका का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप इस क्षेत्र में पूर्ण युद्ध का कारण होगा।'' उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन माना जा रहा है कि पड़ोसी देशों में तैनात हजारों अमेरिकी सैनिकों को ईरान के हथियारों द्वारा निशाना बनाया जा सकता है। अमेरिका ने किसी भी हमले का व्यापक जवाब देने की धमकी दी है।

इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने पश्चिमी ईरान के केरमानशाह क्षेत्र में एक अड्डे पर ईरान के पांच एएच–1 हेलीकॉप्टर को नष्ट कर दिया है। इजराइल ने हेलीकॉप्टर को नष्ट करने वाली बमबारी का एक वीडियो भी प्रसारित किया। हालांकि, ईरान ने तुरंत इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की।

ट्रंप ने एक बार फिर कहा:

'मैंने भारत-पाक युद्ध रुकवाया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत करने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया है।

ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में मोदी को एक शानदार व्यक्ति बताया और कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को कहा, मैंने युद्ध रुकवाया है... मैं पाकिस्तान को पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि मोदी एक शानदार इंसान हैं। मैंने कल रात उनसे बात की। हम भारत के मोदी के साथ व्यापार समझौता करने जा रहे हैं, लेकिन मैंने पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध रुकवा दिया है।''

ट्रंप बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की दोपहर के भोजन पर मेजबानी कर रहे हैं। उनसे पूछा गया कि पाकिस्तानी जनरल के साथ बैठक से वह कूटनीतिक रूप से क्या हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं।

ट्रंप ने मुनीर का जिक्र करते हुए कहा, ''पाकिस्तान की ओर से इसे (युद्ध) रोकने में इस व्यक्ति का बहुत प्रभाव था।'' उन्होंने कहा, ''भारत की ओर से मोदी और अन्य लोग थे। उनके बीच टकराव की जबरदस्त स्थिति थी और वे दोनों ही परमाणु संपन्न देश हैं। मैंने इसे रुकवाया। मुझे नहीं लगता कि मैं कोई कहानी सुना रहा था। क्या मैंने कोई कहानी लिखी थी... मैंने दो बड़े देशों, बड़े परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध को रुकवाया। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं।

स्कूल शिक्षकों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए: मुख्यमंत्री सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कुल्लू जिले के एक स्कूल के दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने बुधवार को कहा कि छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम के अलावा व्यावहारिक ज्ञान और सामान्य ज्ञान प्रदान किया जाना चाहिए।

सुक्खू ने कुल्लू जिले के निरमण्ड उप-मंडल क्षेत्र में बागा सराहन के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया और वहां छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की। यहां जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से उनके सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में सुझाव लिये और छात्रों से उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा।

मुख्यमंत्री ने छात्रों से अपने लक्ष्य निर्धारित करने और अपने सपनों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्री-नर्सरी से आठ कक्षा तक के स्कूल भवन को आधुनिक बनाया जाना चाहिए।

इससे पहले, सुक्खू ने लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और निवारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

सुक्खू ने बागा सराहन गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'सरकार गांव के द्वार' जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं को उनके घरों के नजदीक हल करना है जिससे लोगों का समय और धन बचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों के लिए दूरदराज के गांवों में रात्रि प्रवास सुनिश्चित किया, क्योंकि इससे उन्हें लोगों की दिन-प्रतिदिन की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने युवाओं से राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे स्वरोजगार के अवसरों का पूरा लाभ उठाने और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की भी अपील की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ट्रंप को दो टूक से कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश हुआ: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बातचीत ने कांग्रेस के हर झूठ का ''पर्दाफाश'' कर दिया है और यदि विपक्षी दल को इस पर विश्वास नहीं है तो उसे पाकिस्तान का ''साझेदार'' माना जाना चाहिए।

भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ''कांग्रेस और उसकी ट्रोल सेना इस तथ्य को पचा नहीं पा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत को किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की न तो आवश्यकता है और न ही इसे स्वीकार करता है।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, ''कांग्रेस को केवल अपनी छोटी-मोटी बातों के लिए भारत की दृढ़ और सैद्धांतिक विदेश नीति को बदनाम करना बंद करना चाहिए।''

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधा और कहा कि ''कांग्रेस के हर झूठ का पर्दाफाश हो गया है।''

भाजपा के कई नेताओं ने कांग्रेस पर उस वक्त हमला बोला जब प्रधानमंत्री मोदी ने पहले ट्रंप के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और उन्हें स्पष्ट रूप से कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान पर हमले पड़ोसी देश के

अनुरोध पर ''रोके'' थे न कि अमेरिका द्वारा मध्यस्थता या किसी व्यापार समझौते की पेशकश के कारण। ट्रंप के साथ मंगलवार को फोन पर 35 मिनट तक हुई बातचीत में मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी और यह स्पष्ट किया कि भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और भविष्य में भी कभी स्वीकार नहीं करेगा।

इसको लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विदेश दौरे से लौटते ही सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी राजनीतिक दलों को यह बताना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर उनकी क्या बातचीत हुई है।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पलटवार करते हुए कहा कि मोदी ने ट्रंप को स्पष्ट कर दिया कि किसी तीसरे देश ने मध्यस्थता नहीं की और भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''अगर पाकिस्तान गोलियां चलाएगा, तो भारत बम से जवाब देगा। उसके बाद भी अगर कांग्रेस को भारत के रुख पर भरोसा नहीं है, तो यह माना जाना चाहिए कि पाकिस्तान और कांग्रेस साझेदार हैं।''

मालवीय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के तहत भारत को ''कमजोर, तीसरी दुनिया के देश'' के रूप में देखा जाता था।

उनका कहना था, ''आज, भारत एक उभरती हुई शक्ति है, विश्व स्तर पर एक चमकता सितारा। कोई भी झूठ उस सच्चाई को कम नहीं कर सकता।'' उन्होंने रमेश पर ''राहुल गांधी की तरह जन्मजात झूठा'' होने का भी आरोप लगाया, क्योंकि कांग्रेस नेता ने ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री मोदी की ताजा बातचीत पर व्हाइट हाउस से जनवरी 2025 में दिए गए वक्तव्य को अभी के अमेरिकी बयान के रूप में उद्धृत किया था।

गोवा में श्रमबल की कमी से जूझ रहे निजी उद्योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को रोजगार के अवसरों के बावजूद उद्योगों में 'श्रमबल की बहुत कमी' को स्वीकार किया और कहा कि स्थानीय युवा नौकरी की सुरक्षा की चिंताओं के कारण निजी क्षेत्र में शामिल होने से हिचकते हैं।

सावंत की अध्यक्षता में विभिन्न उद्योग निकायों और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की एक बैठक में उद्योगों में न्यूनतम मजदूरी को संशोधित करने और कौशल पाठ्यक्रम शुरू करने पर चर्चा की गई। सावंत ने कहा कि उद्योगों में श्रमशक्ति की काफी कमी देखी जा रही है। उन्होंने उदाहरण दिया जिसमें गोवा फार्मा एसोसिएशन द्वारा आयोजित साक्षात्कार के लिए सिर्फ दो उम्मीदवार आए। उन्होंने कहा कि जहाज निर्माण क्षेत्र में भी ऐसी ही स्थिति है। सावंत ने कहा, रोजगार के अवसर तो उपलब्ध हैं, लेकिन श्रमबल नहीं है। उन्होंने कहा कि बैठक में स्थानीय युवाओं की भर्ती में उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कौशल पाठ्यक्रम शुरू करने और कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवा में युवा नौकरी की सुरक्षा की चिंता के कारण निजी क्षेत्र में जाने से हिचकते हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के बाद, हमने पाया कि युवाओं को लगता है कि निजी क्षेत्र में नौकरी की सुरक्षा नहीं है। वे निजी नौकरियों को करियर विकल्प के रूप में पसंद नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार निजी उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाएगी।

तुर्किये की कंपनी सेलेबी की याचिका पर सुनवाई टली

मुंबई/भाषा। उच्च न्यायालय ने बुधवार को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (एमआईएएल) द्वारा अनुबंध समाप्त किए जाने के खिलाफ तुर्किये की कंपनी सेलेबी की याचिका पर सुनवाई 25 जून तक के लिए स्थगित कर दी।

मुंबई उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों के मामले की सुनवाई आगे टाले जाने के अनुरोध के बाद इसे स्थगित करने का निर्णय किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को तुर्किये के समर्थन को लेकर भारत में हो रही तीखी प्रतिक्रिया के बीच, भारत के विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इसके बाद, एमआईएएल के साथ इसका अनुबंध समाप्त कर दिया गया। जमीनी रखरखाव और हवाई अड्डे से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी ने सुरक्षा मंजूरी रद्द करने और अनुबंध समाप्त करने के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया है।

एलोपैथिक दवाओं के दुष्प्रभाव हो सकते हैं पर आयुर्वेदिक उपचार आमतौर पर इनसे मुक्त : गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि एलोपैथिक दवाओं या पारंपरिक आधुनिक चिकित्सा के कभी-कभी दुष्प्रभाव हो सकते हैं, लेकिन आयुर्वेदिक उपचार आमतौर पर इनसे मुक्त होते हैं। शालीमार बाग स्थित एक अस्पताल में आयुर्वेदिक कैफे, 'सोमा-द आयुर्वेदिक किचन' के उद्घाटन के अवसर पर गुप्ता ने यह भी घोषणा की कि दिल्ली सरकार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को शहर भर में 11 स्थानों पर बड़े पैमाने पर योग कार्यक्रम आयोजित करेगी।

अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि कैफे में भोजन आयुर्वेदिक आहार पर आधारित होगा। मुख्यमंत्री ने लोगों से आयुर्वेदिक उपचार के लिए महर्षि आयुर्वेदिक अस्पताल आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में विश्वास रखने वाले कई विदेशी लोग अक्सर इलाज के लिए अस्पताल आते हैं। गुप्ता ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमारे संतों ने विभिन्न ग्रंथों के माध्यम से हमें आयुर्वेद से परिचित कराया। आज एलोपैथिक चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद तक भी हमारी पहुंच है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हालांकि एलोपैथिक दवाओं के कभी-कभी दुष्प्रभाव हो सकते हैं, लेकिन आयुर्वेदिक उपचार आमतौर पर ऐसी समस्या से मुक्त होते हैं। गुप्ता ने योग को महत्व न देने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) की पिछली सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह यमुना बैंक में योग कार्यक्रम में भाग लेंगी।

वाई एस शर्मिला रेड्डी ने जगन और केसीआर पर लगाए फोन टैपिंग के आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई की प्रमुख वाई एस शर्मिला रेड्डी ने बुधवार को दावा किया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की पिछली सरकारों ने उनके और उनके करीबी सहयोगियों के फोन ''अवैध रूप से टैप'' किए थे।

कांग्रेस नेता ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर संयुक्त रूप से इस अभियान की साजिश रचने का आरोप लगाया। शर्मिला ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मेरा, मेरे पति का और मेरे सहयोगियों का फोन टैप किया गया... वाई वी सुब्बा रेड्डी (शर्मिला के चाचा) ने व्यक्तिगत रूप से मुझे बताया कि मेरा फोन टैप किया जा रहा है।'' शर्मिला ने जगन और राव पर उन्हें राजनीतिक और वित्तीय रूप से दबाने के लिए 'सांठगांठ' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों (जगन और राव) ने संयुक्त रूप से उनके राजनीतिक विकास को नुकसान पहुंचाने, उनके समर्थकों में भय पैदा करने और तेलंगाना में उनके उदय को रोकने के लिए साजिश रची। उन्होंने कहा, '' मैं जन्म से जगन मोहन रेड्डी की बहन हूं, इसके बावजूद उन्होंने साजिश रची ताकि मैं राजनीतिक या आर्थिक रूप से आगे न बढ़ूं।'' शर्मिला ने फोन टैपिंग के आरोपों की किसी भी जांच में सहयोग करने की अपनी इच्छा भी जताई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' मैं तो बाइबल की कसम खाकर यह कहने को भी तैयार हूं कि हमारे फोन सचमुच टैप किए गए थे।''

मतदाताओं को पहचान पत्र अब 15 दिनों के भीतर मिलेंगे: निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि उसने मतदाता सूची में विवरण के अद्यतन होने के 15 दिनों के भीतर मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र प्रदान करने के लिए एक नई प्रक्रिया शुरू की है।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक मतदाताओं तक मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) पहुंचाने में एक महीने से थोड़ा अधिक समय लगता रहा है। चुनाव निकाय ने कहा कि नई प्रणाली निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा ईपीआईसी बनाने से लेकर डाक विभाग (डीओपी) के माध्यम से मतदाता को कार्ड मुहैया कराने तक प्रत्येक चरण की वास्तविक समय पर ट्रैकिंग सुनिश्चित करेगी।

आयोग की ओर से यह भी कहा गया है कि मतदाताओं को प्रत्येक चरण में एसएमएस के माध्यम से सूचनाएं भी प्राप्त होंगी, जिससे उन्हें अपने ईपीआईसी की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती रहेगी।

डेटा सेंटर परियोजनाओं, चिप विनिर्माण के लिए भारत बन रहा प्रमुख गंतव्य: मूडीज एनालिटिक्स

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया की विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाएं कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश के लिए प्रमुख लक्ष्य हैं। मूडीज एनालिटिक्स ने बुधवार को कहा कि इनमें भारत, सिंगापुर और मलेशिया तेजी से खुद को डेटा सेंटर परियोजनाओं या चिप विनिर्माण के लिए प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

मूडीज एनालिटिक्स ने अपनी रिपोर्ट 'एआई इज बीटिंग द ऑड्स' में कहा कि ऐसे समय में जब सीमापार निवेश धीमा हो रहा है और वैश्विक व्यापार टूट रहा है, तब एआई पर खर्च वर्तमान के विपरीत हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भले ही व्यापार और भू-राजनीतिक तनाव अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहे हों, लेकिन एआई की बढ़ती मांग, आपूर्ति से कहीं ज़्यादा है। इस अंतर को पाटने के लिए वैश्विक निवेशक डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में पूंजी लगा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका में आउटबाउंड (घरेलू कंपनी द्वारा विदेश में) एआई निवेश की हिस्सेदारी इसकी इनबाउंड (विदेशी कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में) हिस्सेदारी से अधिक है। यह बताता है कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार कर रही हैं। मूडीज एनालिटिक्स ने कहा, पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया में विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाएं प्रमुख गंतव्य हैं। विशेष रूप से, भारत, सिंगापुर और मलेशिया तेजी से डेटा सेंटर परियोजनाओं या चिप विनिर्माण के लिए प्रमुख गंतव्य के रूप में खुद को स्थापित कर रहे हैं। ये बाज़ार लागत लाभ, बढ़ती मांग और प्रौद्योगिकी निवेश के लिए सहायक नीतियां प्रदान करते हैं।

तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी सीखने की कोई 'अनिवार्यता' नहीं

सरकार के आदेश पर विवाद के बाद फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि राज्य के छात्रों के लिए हिंदी सीखने की ''अनिवार्यता'' नए आदेश में हटा दी गई है और अब किसी भी भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में चुना जा सकता है।

फडणवीस ने देहू में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अंग्रेजी को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जाता है, लेकिन भारतीय भाषाओं की अकसर उपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि भाषाओं को लेकर विवाद अनावश्यक है।

राज्य सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर कहा था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को हिंदी ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। संशोधित सरकारी प्रस्ताव (जीआर) में कहा गया है कि हिंदी अनिवार्य होने के बजाय ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा होगी, तथा यदि किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 विद्यार्थी हिंदी के अलावा किसी अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उन्हें इससे बाहर रहने का विकल्प दिया गया है।

कुछ मराठी समर्थक संगठनों ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह शुरू में पीछे हटने के बाद ''पिछले दरवाजे'' से नीति को पुनः लागू कर रही है। विपक्षी कांग्रेस ने सरकार पर मराठी लोगों की छाती में ''छुरा घोंपने'' का आरोप लगाया।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि छात्रों पर हिंदी ''थोपने'' की क्या जरूरत है? उन्होंने राज्य के स्कूलों से अपील की कि वे सरकार के ''जानबूझकर भाषायी विभाजन पैदा करने के गोपनीय एजेंडे'' को विफल करें। फडणवीस ने कहा कि जीआर में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मराठी अनिवार्य है, जबकि हिंदी वैकल्पिक है।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी डिग्री गिरोह का भंडाफोड़ किया, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ फर्जी शैक्षणिक डिग्री दिलाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया। पुलिस ने बताया कि उनके पास से कई जाली डिग्री प्रमाणपत्र बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने गुरुग्राम के एक आईटी कर्मचारी को उसकी स्नातक डिग्री पुन: जारी करने का झांसा देकर उससे कथित तौर पर 1.55 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''पीड़ित एक संविदा कर्मचारी था और वह स्थायी पद पाने की कोशिश कर रहा था। उसके पास एक कॉलेज का अंकपत्र था लेकिन उसकी कंपनी ने उसकी औपचारिक डिग्री की प्रति मांगी थी जो उसके पास नहीं थी।'' एक कर्मचारी द्वारा बताए जाने पर उसने कपिल जाखड़ (34) से संपर्क किया, जिसने दावा किया कि वह उसे डिग्री हासिल करने में मदद कर सकता है। जाखड़ ने शुरुआत में करीब 30,000 रुपए मांगे लेकिन धीरे-धीरे पीड़ित से कई बार में 1.55 लाख रुपए ले लिए। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने बिना हस्ताक्षर वाली बीए की डिग्री भेज दी जिसे पीड़ित के नियोक्ता ने अमान्य पाया। इसके बाद संपर्क करने पर जाखड़ ने जवाब देना बंद कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया, ''शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गयी और जाखड़ को हरियाणा के भिवानी में उसके पैतृक गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस उसकी साथी 33 वर्षीय दामिनी शर्मा तक पहुंची, जिसे दिल्ली के कड़कड़डूमा इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में कई मृतकों में बीमाधारक के साथ नामित भी, कंपनियां असमंजस में

अहमदाबाद/भाषा। बीमा कंपनियों को पिछले सप्ताह अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के दावों का निपटान करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कई मामलों में पॉलिसीधारक और उसके नामित व्यक्ति (नॉमिनी), दोनों ही इस त्रासदी में मारे गए हैं।

अहमदाबाद से 12 जून को लंदन जाने वाले विमान की भयावह दुर्घटना में पूरे परिवार के खत्म हो जाने या पति-पत्नी में से किसी एक की मृत्यु हो जाने के मामले सामने आए हैं। विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 29 लोगों की जान चली गई थी। हादसे के बाद, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से कहा कि वे विदेशी चिकित्सा बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना और जीवन बीमा पॉलिसियों के जारी करने संबंधी अपने आंकड़ों से मृतक के विवरण का सत्यापन करें। परामर्श में कहा यात्रियों की सूची में शामिल पुष्टिकृत मृत व्यक्तियों तथा दुर्घटना से प्रभावित इमारतों में रहने वाले व्यक्तियों के मामले में प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के कारण किसी भी दावे को अस्वीकार या विलंबित नहीं किया जाएगा। इसके बाद भारतीय जीवन बीमा निगम, न्यू इंडिया एश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, इफ्को टोकियो जनरल इंश्योरेंस, बजाज आलियांज जीआईसी और टाटा एआईए इंश्योरेंस जैसी प्रमुख बीमा कंपनियों ने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में अपनी सहायता खिड़की स्थापित की हैं।

बीजों, कीटनाशकों से संबंधित कानूनों को सख्त बनाएगी सरकार: कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि सरकार बीज और कीटनाशक कानूनों को सख्त बनाएगी और किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण लागत सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन कर सकती है। चौहान ने कहा कि कई किसानों ने 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के दौरान बीज और कीटनाशकों की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई है।

कृषक समुदाय तक पहुंच बनाने के मकसद से यह देशव्यापी अभियान 29 मई को ओडिशा के पुरी से शुरू किया गया था। इस अखिल भारतीय अभियान का 12 जून को गुजरात के बारडोली में समापन हुआ। चौहान ने इस अभियान के बारे में संवाददाताओं से कहा, ''अभियान बहुत सफल रहा। इस दौरान हमने 721 जिलों के 1.43 लाख गांवों में 1.34 करोड़ किसानों से सीधे संपर्क किया। जनजातीय, आकांक्षी और सीमावर्ती जिलों सहित 60,281 कार्यक्रम आयोजित किए गए।''

कृषि मंत्री ने अभियान को 'एक राष्ट्र-एक कृषि-एक टीम' बताते हुए कहा कि यह केंद्र और राज्यों का एक सहयोगात्मक प्रयास था जिसमें आईसीएआर और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के 8,280 वैज्ञानिकों की 2,170 टीमें शामिल थीं। इस दौरान नए शोध, प्रत्येक जिले की मिट्टी की सेहत और जलवायु की स्थिति के आधार पर फसल सलाह और प्राकृतिक/जैविक खेती के लाभ पर चर्चा की गई। चौहान ने कहा, ''हमें किसानों से कई सुझाव मिले हैं जो बहुत उपयोगी हैं। कृषि संबंधी योजना और नीतियां बनाते समय हम उन सुझावों को ध्यान में रखने की कोशिश करेंगे।'' उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक किसानों की प्रतिक्रिया के आधार पर शोध भी करेंगे और प्रगतिशील किसानों द्वारा किए गए कई नवाचार को लोकप्रिय बनाया जाएगा।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.2 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान: इक्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.2% रहने का अनुमान जताया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5% रही थी। एजेंसी ने अपने ताजा परिदृश्य में कहा कि इसी अवधि के दौरान देश की वास्तविक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि दर 6.4% से अधिक होगी। जहां जीडीपी देश के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को बताता है, वहीं जीवीए उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य में से मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं की लागत को घटाने पर प्राप्त होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति के संबंध में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर के 3.5 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) चालू वित्त वर्ष में 1.8% से अधिक रहेगा। इक्रा ने 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4% रहने का अनुमान लगाया है, जबकि इसी अवधि के दौरान चालू खाता घाटा 1.2 से 1.3% रहने का अनुमान है।

एजेंसी के अनुसार, रबी फसल बेहतर होने और सामान्य से अधिक जलाशय स्तर के कारण ग्रामीण मांग में तेजी बनी रहने की संभावना है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट में आयकर में बड़ी राहत, नीतिगत दर में कटौती से ईएमआई (मासिक किस्त) में कमी और खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी से घरेलू खर्च योग्य आय में वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के वस्तु निर्यात में सुस्ती निकट भविष्य में भी जारी रह सकती है। इक्रा के अनुमान के अनुसार, सेवा निर्यात के वस्तु निर्यात वृद्धि से आगे निकलने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र का पूंजीगत व्यय 2025-26 में 10.1 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, जिससे निवेश गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिवगंगा जिले के तिरुपत्तूर नगर पंचायत के सेमामोझी पार्क में 'नमक्कु' नाम परियोजना के अंतर्गत 7.50 लाख रुपये की लागत से चारों ओर सुरक्षा जाल के साथ विद्युत चालित खेल के मैदान का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन किया तथा महिला वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री के.आर. पेरियाकरुप्पन, विधायक श्रीमती ए. तमिलरासी रविकुमार, जिला कलेक्टर आशा अजीत सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तथा स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तमिलनाडु के एक गांव में नाबालिगों समेत चार लोग मृत पाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडीगुल। डिंडीगुल जिले के ओड्डनचैथिरम में बुधवार को दो बच्चियां और दो महिलाएं अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 45 और 65 वर्षीय दो महिलाएं जबकि पांच और सात वर्ष की दो लड़कियां अपने घर के अंदर फंदे से लटकी पाई गईं। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच के अनुसार पुलिस को संदेह है कि यह मामला आत्महत्या का है।

पुलिस ने बताया कि परिवार के किसी अन्य सदस्य से जुड़ा कोई मामला इस संदिग्ध आत्महत्या का कारण हो सकता है, लेकिन मामले को सुलझाने के लिए विभिन्न बिंदुओं से जांच की जा रही है।

केरल में बारिश जारी, आईएमडी ने दो जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित होने के बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कन्नूर और कासरगोड जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया।

'ऑरेंज अलर्ट' का मतलब बहुत भारी बारिश से है जिस दौरान 11 सेमी से 20 सेमी तक की वर्षा हो सकती है। इसके अतिरिक्त, आईएमडी ने 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना के कारण बुधवार और बृहस्पतिवार को केरल-कर्नाटक-लक्षद्वीप तटों पर मछली पकड़ने की गतिविधियां न करने की चेतावनी दी है। पिछले कुछ हफ्तों के दौरान राज्य में भारी बारिश ने कहर बरपाया है, कई जगहों पर लोगों को राहत शिविरों में स्थानांतरित किया गया है क्योंकि उनके घर और आसपास के इलाके जलमग्न हो गए हैं।

अपहरण मामला : न्यायालय ने एडीजीपी के निलंबन पर तमिलनाडु सरकार से सवाल पूछे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई।/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को तमिलनाडु सरकार से एडीजीपी एचएम जयराम के निलंबन पर सवाल पूछे, जिन्हें अपहरण के एक मामले में उच्च न्यायालय ने हिरासत में लेने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ को राज्य सरकार के वकील ने बताया कि अधिकारी को हिरासत में लिया गया था और मंगलवार शाम 5 बजे रिहा कर दिया गया।

अवर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) जयराम के वकील ने कहा कि उन्हें पुलिस ने रिहा कर दिया, लेकिन सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया है। पीठ ने कहा, वह एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं। उन्हें निलंबित करने की आपको क्या जरूरत थी? इस तरह के आदेश चौंकाने वाले और मनोबल गिराने वाले हैं।

शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार के वकील से कहा कि वह निर्देश लें और निलंबन वापस लेने के बारे में 19 जून तक अवगत कराएं। जयराम ने मद्रास उच्च न्यायालय के 16 जून के निर्देश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उच्च न्यायालय के निर्देश में पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कहा गया था। पुलिस अधिकारी के वकील ने दलील दी कि मद्रास उच्च न्यायालय का गिरफ्तारी का आदेश एक इकबालिया बयान पर आधारित'' था।

जयराम ने अधिवक्ता राजेश सिंह चौहान के माध्यम से याचिका दाखिल कर कहा कि उच्च न्यायालय ने 16 जून को बिना कोई विस्तृत कारण बताए और दो आरोपियों के कथित बयानों के आधार पर उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया था।

उच्च न्यायालय ने मौखिक रूप से तमिलनाडु पुलिस को अपहरण के एक मामले में जयराम को हिरासत में लेने का निर्देश दिया था, जिसमें 5 अप्रैल को एक लड़की एक लड़के के साथ भाग गई थी। जयराम को अदालत भवन से बाहर आने के बाद हिरासत में लिया गया।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी वेलमुरुगन ने विधायक एम जगन मूर्ति द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। विधायक ने गिरफ्तारी की आशंका जताई थी। पुथिया भारतम काची पार्टी के विधायक राज्य के वेल्लोर जिले में किल्वैथिनकुप्पम (एससी) निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब मामला 16 जून को सुनवाई के लिए आया, तो न्यायाधीश ने मूर्ति और जयराम, जिनकी आधिकारिक कार का कथित तौर पर अपहरण के लिए इस्तेमाल किया गया था, को दोपहर में अदालत में पेश होने के लिए समन भेजा।

दोनों अदालत में पेश हुए, जिसके बाद न्यायाधीश ने एडीजीपी के खिलाफ आरोपी के इकबालिया बयान पर गौर किया और उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया। उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई 26 जून को होनी है।

भारतीय सेना ने पर्वतारोहण अभियान के जरिए गलवान के बलिदानियों को याद किया

बेंगलूरु। भारतीय सेना ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में सीमा क्षेत्र पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए माउंट शाही कांगड़ी और माउंट सिल्वर पीक पर पर्वतारोहण अभियान चलाया। इसे 28 मई को जीओसी फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ले. जनरल हितेश भल्ला ने हरी झंडी दिखाई थी। यह बुधवार को संपन्न हुआ। इस अभियान के जरिए उन लद्दाखी सैनिकों की वीरता को नमन किया गया, जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान प्राणों की आहुति दी थी।

आइस एंड रॉक क्राफ्ट में प्रशिक्षित 28 कर्मियों वाली टीम ने अत्यधिक ऊंचाई वाले पर्वतारोहण में अद्भुत सहनशक्ति व तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। देपसांग मैदानों के दक्षिण-पश्चिम में कराकोरम पर्वत माला में ये चोटियां सालभर बर्फ से ढकी रहती हैं तथा खास भौगोलिक स्थिति व जलवायु के लिए जानी जाती हैं। दक्षिण-पूर्व से आते हुए, टीम ने छोटा लेकिन चुनौतीपूर्ण रास्ता चुना, जिसमें दरारों और ग्लेशियरों को पार करना पड़ा।

रेलवे विद्युतीकरण : मैसूरु मंडल के तहत एसकेएलआर-एसबीएचआर खंड का काम प्रगति पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के मैसूरु मंडल के तहत सकलेशपुर-सुब्रह्मण्य रोड (एसकेएलआर-एसबीएचआर) खंड के विद्युतीकरण का काम प्रगति पर है। 55 रूट किमी (आरकेएम) और 71 ट्रैक किमी (टीकेएम) में फैला यह महत्त्वपूर्ण खंड पश्चिमी घाट से होकर गुजरता है। इसमें क्षेत्र के सबसे ऊबड़-खाबड़ और दुर्गम इलाके शामिल हैं।

इस खंड में 57 सुरंगें और 46 प्रमुख पुल हैं। उनके लिए 91 ब्रिज मास्ट्स और कुल 1,673 ओएचई फाउंडेशन्स की स्थापना की जरूरत है। इनमें से 252 स्पेशल फाउंडेशन्स को डिजाइन और क्रियान्वित किया गया है। सुरंग विद्युतीकरण के साथ 7,648 टनल होल ड्रिलिंग और घुमावदार जगहों पर 419 ब्रैकेटों की स्थापना के साथ महत्त्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की गई है। वहीं, एक मजबूत प्रोजेक्ट मैनेजमेंट रणनीति लागू की गई। रणनीतिक स्टेशनों- केजीवीएल, वाईडीके, एआरटी और एसवीजीएल में लेबर कैंप और कंटेनर आवास स्थापित किए गए। काम में तेजी लाने के लिए 'राइट्स' और कॉन्ट्रैक्टर एससीपीएल-पीएमपीएल (जेवी) सहित लगभग 300 श्रमिकों और 30 पर्यवेक्षी कर्मचारियों को लगातार तैनात किया गया है। साल 2025 के मध्य तक, एसकेएलआर से डीओजी और एसबीएचआर से एसवीजी तक के खंड, जो 22 आरकेएम और 30 टीकेएम को कवर करते हैं, पहले ही विद्युतीकृत और कमीशंड हो चुके हैं। बाकी खंड-डीओजीएल-केजीवीएल, केजीवीएल-वाईडीके, और वाईडीके-एसवीजीएल (कुल 33 आरकेएम और 41 टीकेएम) - सक्रिय कार्यान्वयन के तहत हैं। इनके 31 दिसंबर तक कमीशंड होने की उम्मीद है।

दुर्गम इलाकों में दपरे की बड़ी उपलब्धि

रेलवे व्हील फैक्ट्री ने ग्रीन्स गोल्ड रेटिंग बरकरार रखी

चैम्पियंस ट्रॉफी जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल व्हील फैक्ट्री (आरडब्ल्यूएफ) ने एक बार फिर अपना ग्रीनको गोल्ड प्रमाणन बरकरार रखते हुए टिकाऊ औद्योगिक प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। यह प्रतिष्ठित मान्यता ग्रीन की रेटिंग मूल्यांकन के भाग के रूप में किए गए व्यापक ऑडिट के बाद दी गई है।

हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 14वें ग्रीनको शिखर सम्मेलन में इस कारखाने को ग्रीनको चैंपियंस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जो इसके सतत पर्यावरणीय प्रदर्शन और टिकाऊ विनिर्माण में नेतृत्व के लिए दिया गया। ऊर्जा और जल संरक्षण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, सामग्री संरक्षण, हरित नवाचार, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग, उत्पाद प्रबंधन और हरित पट्टी विकास में आरडब्ल्यूएफ की समग्र पहलों को उद्योग में मानकों के रूप में मान्यता दी गई है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप न केवल गोल्ड रेटिंग का नवीनीकरण हुआ, बल्कि आरडब्ल्यूएफ को चैंपियन ऑफ ग्रीन का खिताब भी मिला, जो पर्यावरण संरक्षण में इसकी स्थिरता और नेतृत्व को दर्शाता है।

हमारी सरकार वही करेगी जो कहती हैल हम आपकी मांगों की जांच करेंगे और कार्रवाई करेंगे : मुख्यमंत्री

532 सिविल सेवकों के पद स्थायी किए गए

हमने घोषणापत्र में ही ओपीएस लागू करने की घोषणा की है

बेंगलूरु। विद्युत पारेषण विभाग में 35,000 रिक्त पदों को चरणबद्ध तरीके से भरा जाएगा। हम विभाग में 532 सिविल सेवकों के पदों को स्थायी करेंगे, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने घोषणा की। उन्होंने कर्नाटक विद्युत पारेषण निगम कर्मचारी संघ की हीरक जयंती का उद्घाटन करने और वज्रज्योति स्मारक अंक जारी करने के बाद यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वही करेगी जो कहती है। हम आपकी मांगों की जांच करेंगे और कार्रवाई करेंगे। केंद्र सरकार ने एनपीएस लागू किया। हमने घोषणापत्र में ही ओपीएस लागू करने की घोषणा की है। हम इस पर चर्चा करेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

वर्ष 1964 में शुरू हुआ कर्मचारी संघ इतने वर्षों से कर्मचारियों के दुख-दर्द को समझते हुए ईमानदारी से संघर्ष कर रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ति करने की जिम्मेदारी भी आपने बखूबी निभाई है। इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि एशिया में सबसे पहली बिजली 1902 में कर्नाटक में बनी थी। 1905 में बेंगलूरु में पहली बिजली आपूर्ति कंपनी शुरू हुई थी। 1908 में पहली बार मैसूरु राजमहल में बिजली आई थी। तब से लेकर अब तक राज्य में 34,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो पाया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि क्या हम खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर हो रहे हैं क्योंकि हम बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं। हम किसानों, कृषि और पंप सेटों को प्रतिदिन 7 घंटे आवश्यक बिजली आपूर्ति कर पाएंगे। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। उन्होंने

बीडब्ल्यूएसएस को मिला गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र

बेंगलूरु के 2 करोड़ नागरिकों को पीने का पानी उपलब्ध कराने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा 21 से 28 मार्च तक आयोजित जल संरक्षण अभियान सप्ताह के दौरान 5,33,642 प्रतिज्ञाएँ ली गईं और जल संरक्षण में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड लिखने के बाद बुधवार को बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को आधिकारिक प्रमाण पत्र मिला।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड जज स्वप्निल डांगरीकर ने बेंगलूरु के एक निजी होटल में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर शिवकुमार ने कहा कि हमें इसे बचाना होगा। इस पानी को बचाने के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए हमने बोर्ड द्वारा एक सप्ताह तक शपथ लेने का अभियान चलाया था। इस अभियान में 5,33,642 लोगों ने शपथ ली। इस प्रकार, इसने गिनीज रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। दिल्ली सहित अन्य शहरों में पीने के पानी का अलग कनेक्शन और दैनिक उपयोग के लिए अलग पानी का कनेक्शन है। लेकिन हमारे देश में पीने के पानी का इस्तेमाल हर चीज के लिए किया जाता है, पीने के लिए, वाहन धोने के लिए और पौधों को पानी देने के लिए। लगभग 35 प्रतिशत लोग पीने के पानी के बिल का भुगतान नहीं कर रहे हैं। हालांकि, बोर्ड

काम कर रहा है। हम बेंगलूरु के 2 करोड़ नागरिकों को पीने का पानी उपलब्ध कराने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया बोर्ड राम प्रसाद मनोहर के नेतृत्व में नई अभिनव परियोजनाएं तैयार कर रहा है, हमें जीवन में कुछ हासिल करना है। बेंगलूरु एक नियोजित शहर नहीं है। यहां की आबादी बहुत बड़ी हो गई है। इसलिए, यहां ग्रेटर बेंगलूरु घोषित किया गया है और आने वाले दिनों में बेंगलूरु के दायरे में और अधिक क्षेत्रों को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि इसके अधिकार क्षेत्र में कितने निगम बनाए जाएं।

बेंगलूरु के अंदर 1.40 करोड़ की आबादी है, और शहर के बाहर आनेकल और अन्य हिस्सों में 50 लाख की आबादी है। हम बेंगलूरु में शामिल किए गए 110 गांवों को पीने का पानी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने से बसों, ट्रेनों और अन्य वस्तुओं की कीमत बढ़ेगी। पिछले 10 सालों से पानी की दरों में वृद्धि नहीं की गई है। इसके कारण बोर्ड को सालाना 400-500 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। रिकॉर्ड के अनुसार, 1,000 करोड़ रुपये तक के नुकसान की जानकारी है।

जब मैंने इसका कार्यभार संभाला, तो मैंने पानी की दरों में वृद्धि की अनुमति दी। यह स्वाभाविक है कि आलोचनाएं व्यक्त की जाएंगी। आलोचनाएं खत्म हो जाएंगी, काम रहेगा। मैंने मुख्यमंत्री के साथ चर्चा करने के बाद एक साहसिक निर्णय लिया कि आलोचकों को काम करना जारी रखना चाहिए। इस दर संशोधन के माध्यम से सालाना 500 करोड़ रुपये के नुकसान को कम करने का प्रयास किया गया है। हालांकि नुकसान को पूरी तरह से रोकना संभव नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित करने के प्रयास किए गए हैं। हमने आने वाले दिनों में परिवहन विभाग के मॉडल पर दरों को संशोधित करने का फैसला किया है। बोर्ड के कर्मचारी बहुत मेहनत कर रहे हैं। कावेरी 5वें चरण की पेयजल परियोजना के कार्यान्वयन में कई बाधाएं थीं। उन सभी को हल कर लागू किया गया है। नए कनेक्शन देने में जो समस्याएं थीं, उनका समाधान किया गया है। संचारी कावेरी परियोजना के माध्यम से लोगों को कम कीमत पर साफ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीवेज की समस्या भी बेंगलूरु में एक चुनौती है। सीवेज का पीनी कई जगह अच्छी झीलों में छोड़ा जा रहा है। इसे संसाधित करने और फिर से उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। किसान संघ को कावेरी आरती के लाभों के बारे में पता नहीं है। हमने कावेरी आरती शुरू की है। मेरा मानना है कि अगर प्रयास विफल भी हो जाते हैं, तो प्रार्थना विफल नहीं होगी। अब हमने केआरएस के पास कावेरी आरती करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, इसके लिए बीडब्ल्यूएसएसबी अध्यक्ष के नेतृत्व में एक समिति बनाई गई है। उन्होंने एक अच्छा मास्टर प्लान तैयार किया है। इससे उस क्षेत्र में डेढ़ हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। मंड्या जिले के किसान संघ को इस मुद्दे पर उचित जानकारी नहीं है।

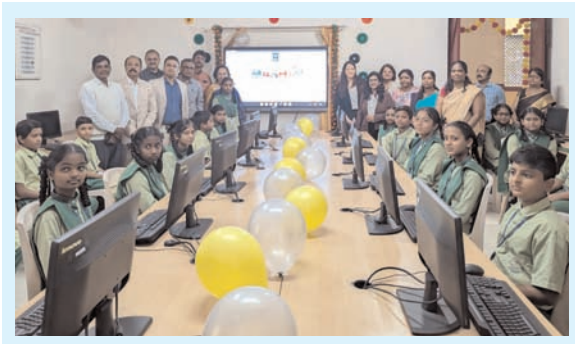

इजराइल के उप महावाणिज्यदूत के सहयोग से आरसीबी अत्याधुनिक स्मार्ट बोर्ड का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु। रोटरी क्लब ऑफ बेंगलूरु ने दक्षिण भारत में इजरायल के महावाणिज्यदूत के सहयोग से रोटरी बेंगलूरु विद्यालय में अत्याधुनिक स्मार्ट बोर्ड का उद्घाटन किया है, जो आधुनिक, प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा की ओर स्कूल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उद्घाटन समारोह स्कूल परिसर में उद्घाटन किया गया। स्मार्ट बोर्ड का आधिकारिक तौर पर अनावरण दक्षिण भारत में इजरायल की उप महावाणिज्यदूत सुश्री इनबल स्टोन द्वारा रोटरी क्लब ऑफ बेंगलूरु के अध्यक्ष आरटीएन गौरी ओजा और आरबीवी टास्क फोर्स के सदस्यों की उपस्थिति में किया जाएगा।

यह पहल रोटरी क्लब ऑफ बेंगलूरु द्वारा समर्थित 20 स्कूलों को स्मार्ट बोर्ड से लैस करने के व्यापक प्रयास की शुरुआत का प्रतीक है, जो डिजिटल बुनियादी ढांचे के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए क्लब की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। रोटरी बेंगलूरु विद्यालय के अलावा, इज़राइल के महावाणिज्य दूतावास ने सरकारी हाई स्कूल, बगलूर को भी एक स्मार्ट बोर्ड दान किया है, जिसका उद्घाटन आने वाले दिनों में होने वाला है। रोटरी क्लब ऑफ़ बेंगलूरु की अध्यक्ष रोटेरियन गौरी ओज़ा ने कहा, हम इज़राइल के महावाणिज्य दूतावास के उदार योगदान के लिए उनके बहुत आभारी हैं। यह स्मार्ट बोर्ड सिर्फ़ तकनीक से कहीं बढ़कर है - यह इंटरेक्टिव, छात्र-केंद्रित शिक्षा की ओर एक कदम है जो जिज्ञासा, सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है।

स्मार्ट बोर्ड के एकीकरण से मल्टीमीडिया लर्निंग, रीयल-टाइम सहयोग और वैश्विक शैक्षिक सामग्री तक पहुँच को सक्षम करके कक्षा के अनुभवों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। यह परियोजना स्थानीय समुदायों का समर्थन करने और शैक्षिक अवसरों को आगे बढ़ाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की शक्ति का उदाहरण है।

राजस्थान में मानसून सात दिन पहले आया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून बुधवार को प्रवेश कर गया और इस बार यह सामान्य से सात दिन पहले आया है। जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम ने बताया कि राज्य में मानसून सामान्य से सात दिन पहले राज्य के कुछ भागों में पहुंच गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा राज्य के बाडमेर, जोधपुर जयपुर से होकर गुजर रही है और आगामी दो तीन दिनों में राज्य के कुछ और भागों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि गुजरात के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज राजस्थान के मध्य एवं उत्तरी क्षेत्रों के ऊपर अवस्थित है। बंगलादेश पर बना कम दबाव का क्षेत्र तीव्र होकर सुस्पष्ट कम दाब बन गया है तथा पश्चिमी बंगाल के ऊपर अवस्थित है। इसके आगामी दो तीन दिनों में धीरे धीरे उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। मेघगर्जन, बिजली चमकने के साथ राज्य के कुछ भागों में आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है और 18, से 20 जून के दौरान उदयपुर एवं कोटा संभाग में कहीं कहीं भारी एवं कहीं कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है।

जयपुर, अजमेर एवं भरतपुर संभाग में भी में कहीं कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 21 से 23 जून के दौरान बारिश की गतिविधियो में और बढ़ोत्तरी होने एवं पुन: कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं कहीं भारी एवं अतिभारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मानसून अभी 10-15 दिन तक सक्रिय रहेगा और इसके प्रदेश में करीब साढ़े तीन महीने तक प्रभावी रहने के बाद सितंबर के आखिरी में लौटने का अनुमान है।

राधेश्याम ने कहा कि मानसून के समय से पहले आने का किसानों सहित सभी को फायेदा पहुंचेगा। किसान अपनी खरीफ की फसल का समय पर ज्यादा क्षेत्र में बुवाई कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मानसून से पहले प्री मानसून की बरसात भी राजधानी जयपुर सहित कई स्थानों पर अच्छी बरसात हो चुकी है।

जल संरक्षण से 'हरियालो राजस्थान' की परिकल्पना होगी साकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल संरक्षण के माध्यम से ही हरियालो राजस्थान की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान आमजन की सक्रिय भागीदारी से जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हुए मानसून सीजन में पानी की हर बूंद को सहेजने तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने की भी अपील की। शर्मा बुधवार को राजसमंद में वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा पर हम जल एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को लेकर एकत्र हुए हैं। आज ही के दिन 18 जून, 1576 को हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया, यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक था। मेवाड़ के स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप ने उस समय अकबर की विशाल सेना के सामने अपने सीमित संसाधनों और छोटी सेना के साथ जो वीरता दिखाई, वह आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिसे हम हल्दीघाटी विजय दिवस के रूप में मनाते है। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें अपने देश, संस्कृति और सिद्धांतों के लिए हमेशा दृढ़ रहने का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत राजसमंद झील स्थित के नौ चौकी पाल पर विधिवत पूजा-अर्चना कर झील आरती की। इसके बाद उन्होंने सिंदूर का पौधारोपण भी किया। इससे पहले शर्मा ने कांकरोली स्थित द्वारिकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस दौरान द्वारिकाधीश मंदिर के अधिकारी भगवती लाल पालीवाल ने समाधान पद्धति से मुख्यमंत्री का स्वागत कर प्रसाद भेंट किया। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरे के पावन अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत की थी। 20 जून तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुनः बहाल करना और जल संरक्षण के लिए जन जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इससे वर्षा के समय इन जल संरचनाओं में बरसात का पानी संग्रहित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल को अमृत मानकर उसे संरक्षित करने के लिए बावड़ियां, जोहड़, तालाब और कुंए जैसे अनूठे तरीके अपनाए। इस जल संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए हमने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के रूप में एक नई पहल की है। इसके तहत हमारी कोशिश है कि हर गांव, हर शहर और हर व्यक्ति तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचे।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में जल की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने दशकों से लंबित रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक कार्य किए हैं। साथ ही, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमने पिछले वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है तथा वे आत्मनिर्भर बनकर रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान को बनाए रखने के लिए देशभर में शौचालयों का निर्माण, धुंए से मुक्ति दिलाने के लिए उज्ज्वला योजना के माध्यम से घर-घर तक रसोई गैस तथा पीने के पानी के लिए हर घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य केन्द्र सरकार द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के अनुसार देश में महिला, किसान, युवा तथा मजदूर चार जातियां हैं। हमारी सरकार इन चारों जातियों के उत्थान के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को हम 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देंगे। इसी तरह राइजिंग राजस्थान समिट के तहत किए गए एमओयू से भी युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि, गोपाल क्रेडिट कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं से किसानों को राहत दी जा रही है। साथ ही, केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 हजार गांवों को गरीबी मुक्त करेगी, इसके तहत गांवों में निवास कर रहे गरीबों को आत्मनिर्भर बनाते हुए रोजगारपरक बनाया जाएगा।

देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी की सात दिवसीय यात्रा पर हुए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी फ्रांस और जर्मनी की सात दिवसीय अध्ययन यात्रा के लिए रवाना हुए। देवनानी बुधवार को नई दिल्ली से वायुयान द्वारा पेरिस के लिए रवाना हुए। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावधान में आयोजित इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी दो देशों की संसदीय परम्पराओं का अध्ययन करेंगे। देवनानी ने कहा कि वैश्विक संसदीय संवाद के लिए यह अध्ययन यात्रा नई पहल है।

देवनानी को मंगलवार को प्रातः यहां उनके जयपुर स्थित राजकीय निवास पर विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा और राजस्थान विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर, माला पहनाकर और दुपट्टा ओढाकर संसदीय परम्पराओं की इस अध्ययन यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी के साथ विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये है।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की फ्रांस और जर्मनी की यह सात दिवसीय यात्रा संसदीय सहभागिता, लोकतांत्रिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। देवनानी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों की राष्ट्रीय संसदों, स्थानीय विधान संस्थानों और विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थानों का भ्रमण कर उच्चाधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विचार-विमर्श करेंगे। देवनानी इस अध्ययन यात्रा में डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं और सामाजिक समावेशन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे। यात्रा के दौरान देवनानी फ्रांस एवं जर्मनी में भारतीय मिशनों के प्रतिनिधियों, प्रवासी भारतीय संगठनों तथा भारतीय मूल के नवाचारकर्ताओं से संवाद करेंगे। वे राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपराओं, सांस्कृतिक धरोहर और जनकल्याणकारी योजनाओं के मॉडल को विश्व पटल पर प्रस्तुत करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष फ्रांस और जर्मनी की अपनी सात दिवसीय विदेश यात्रा पूरी कर 24 जून को स्वदेश लौटेंगे।

सड़क जाम करने के पुराने मामले में दो विधायकों सहित नौ लोगों को एक-एक साल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की एक स्थानीय अदालत ने राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर सड़क जाम करने के 11 साल पुराने एक मामले में बुधवार को कांग्रेस के दो विधायकों सहित नौ लोगों को एक-एक साल कैद की सजा सुनाई। जयपुर की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट-19 परीक्षिता देथा ने सभी नौ आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 147 और 283 के तहत गैरकानूनी तरीके से सभा करने और सार्वजनिक मार्ग में बाधा डालने का दोषी ठहराया। यह घटना 13 अगस्त 2014 की है जब छात्र नेताओं ने जेएलएन मार्ग पर राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर करीब 20 मिनट तक सड़क जाम किया था।

दोषी ठहराए गए लोगों में मुकेश भाकर, मनीष यादव, अभिषेक चौधरी, राजेश मीणा, रवि किराड़, वसीम खान, द्रोण यादव, भानु प्रताप सिंह और विद्याधर मील शामिल हैं। मुकेश भाकर और मनीष यादव वर्तमान में कांग्रेस के विधायक हैं, जबकि अभिषेक चौधरी ने भी जयपुर की झोटवाड़ा सीट से 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

अभियोजन अधिकारी कविता पिंगोलिया ने बताया कि सुनवाई के बाद अदालत ने दोषियों पर भादंसं की धारा 147 के तहत एक-एक साल की सजा और 3,000-3,000 रुपये का जुर्माना तथा धारा 283 के तहत 200 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया है।

नीमराना में राजस्थान गैस के एलएनजी स्टेशन के लिए हुआ भूमि पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के पहले लिक्विफाईड नेचुरल गैस एलएनजी स्टेशन की स्थापना के लिए गैल इण्डिया के कार्यकारी निदेशक कपिल जैन, मुख्यमहाप्रबंधक एसके गुप्ता और प्रबंध निदेशक आरएसजीएल रणवीर सिंह ने नीमराना में बुधवार को भूमि पूजन किया। राज्य में एलएनजी प्लांट लगने से एलएनजी वाहनों की भविष्य की ईंधन मांग को राज्य से ही पूरा किया जा सकेगा। इस रुट से आने वाले माल वाहनों और माइनिंग सेक्टर के वाहनों की ईंधन की जरुरत इस एलएनजी ईंधन से भी हो सकेगी।

आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि नीमराना रीको एरिया में बुधवार को भूमि पूजन किये गये परिसर में 56 किलो लीटर भण्डारण क्षमता के दो स्टोरेज टेंक के साथ ही एलएनजी उपलब्ध कराने के लिए डिस्पेंसर लगाये जाएंगे। इस पर लगभग 15 करोड़ रु. की लागत आयेगी। उन्होंने बताया कि इससे डीजल के स्थान पर इको फ्रेंडली ईंधन की उपलब्धता के साथ ही सस्ता ईंधन उपलब्ध हो सकेगा। लंबी दूरी के वाहनों के लिए लिक्विफाईड नेचुरल गैस सस्ती होने के साथ ही ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देगी।

रणवीर सिंह ने बताया कि आरपीसीएल और गैल गैस के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस द्वारा एलएनजी स्टेशन की स्थापना अग्रणी कदम है। इस समय राजस्थान स्टेट गैस द्वारा नीमराना, कूकस पर सीएनजी स्टेशनों के संचालन के साथ ही कोटा में सीएनजी और डीपीएनजी की संरचनात्मक सुविधा के विस्तार और वितरण का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर रीको के स्थानीय प्रभारी राहुल भट्ट, कृष्ण गोपाल कौशिक, गैल के महाप्रबंधक के जे सिंह, मनीष गोयल, प्रवीण कुमार, आरएसजीएल के डीजीएम विवेक रंजन, अतुल कुमार शुक्ला के साथ ही ईश्वर गोयल, सहित गैल, आरएसजीएल व रीको के अधिकारी उपस्थित रहे।

पहले योग, फिर उद्योग थीम पर व्यापारी वर्ग करेगा योगाभ्यास : डॉ. सौम्या गुर्जर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत योग के पूर्वाभ्यास कार्यक्रमों के तहत 20 जून 2025 को प्रातः 8 बजे से हवामहल के सामने व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों, महिला उद्यमियों, दुकानदारों द्वारा योगाभ्यास किया जायेगा। इस संबंध में नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बुधवार को व्यापार मण्डल पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया, महामंत्री सुरेश सैनी, सेन्ट्रल स्पाइन व्यापार परिषद विद्याधर नगर अध्यक्ष अजय अग्रवाल, लालकोठी व्यापार मण्डल, चौड़ा रास्ता व्यापार मण्डल, घी वालों का रास्ता व्यापार मण्डल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

महापौर ने बताया कि 20 जून 2025 को प्रातः 8 बजे हवामहल के सामने योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा। इस योगाभ्यास कार्यक्रम में पहले योग फिर उद्योग की थीम पर विभिन्न व्यापार मण्डलों के पदाधिकारी, दुकानदार योगाभ्यास करेगे। बुधवार को हुई बैठक में महापौर ने सभी पदाधिकारियों को ताड़ासन करवाया साथ ही योग से होने वाले फायदों के बारे में भी जानकारी दी तथा व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों को प्रतिदिन योग करने का संकल्प भी दिलाया।

बुधवार को सांगानेर जोन के वार्ड संख्या 102 में जागृति पार्क जोन 68 में सांसद जयपुर (शहर) मंजू शर्मा, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही उपस्थित आमजन को योगाभ्यास भी करवाया। इस अवसर स्थानीय पार्षद महेन्द्र शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत झालेश्वर सरोवर का किया पूजन

जयपुर/दक्षिण भारत । पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल संरक्षण जन अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को जल संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण देश व प्रदेश में हमारी संस्कृति रही है कि हम नदी, तालाब सहित सभी जल स्रोतों की पूजा करते हैं। जल के बिना जीवन नहीं है ना ही जल के बिना हरियाली संभव है। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत बुधवार को जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र के दौरे पर रहे जहां वे वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत मांडलगढ़ के झालेश्वर सरोवर पर आयोजित कार्यक्रम में आमजन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री कुमावत ने कहा कि जल संरक्षण का उद्देश्य ताजे पानी के प्राकृतिक संसाधन का स्थायी प्रबंधन करना, जलमंडल की रक्षा करना और वर्तमान और भविष्य की मानवीय मांग को पूरा करना है। जल के संरक्षण से ही जल की कमी से बचना संभव हो सकता है ।

मंत्री कुमावत ने मुख्य समारोह से पूर्व झालेश्वर सरोवर की पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चना की एवं आगामी मानसून में अच्छी बारिश की मंगलकामना की। पूजा अर्चना के पश्चात मंत्री कुमावत ने पीपल के पौधे का रोपण भी किया ।

हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को झालावाड़ स्थित जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रचार-प्रसार इस प्रकार हो कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक भी लाभ पहुंचे और वास्तविक जरूरतमंद वर्ग सशक्त हो सके। उन्होंने योजनाओं के समयबद्ध और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। बैठक के दौरान राज्यपाल ने जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, मनरेगा, पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, कुसुम योजना, मिशन हरियालो राजस्थान, राजीविका, डेयरी विकास एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों को आवास योजना एवं अन्य योजनाओं में प्राथमिकता के साथ लाभान्वित किया जाए।

शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि बच्चों की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता को एक साथ विकसित किया जाए। उन्होंने जिले के स्कूलों में खेल मैदानों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और छात्रावासों में व्यायामशाला एवं खेल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा।

कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि एवं विकास का एक प्रमुख स्तंभ : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख स्तंभ है।

भारतीय कॉरपोरेट विधि सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके निर्णय न केवल नीतियों एवं विनियमों को प्रभावित करेंगे, बल्कि इसका असर नागरिकों और निवेशकों के देश की संस्थाओं में विश्वास पर भी पड़ेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि कॉरपोरेट कानूनों के कार्यान्वयन एवं प्रवर्तन का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों के रूप में, '' आपकी भूमिका एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने के केंद्र में होगी जो पारदर्शी, जवाबदेह और नवाचार एवं उद्यमिता के लिए अनुकूल हो।'' राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए प्रशिक्षुओं से बातचीत में मुर्मू ने कहा, '' कॉरपोरेट क्षेत्र हमारे देश की आर्थिक वृद्धि एवं विकास का एक प्रमुख स्तंभ है।'' कंपनी अधिनियम 2013 का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है कि कानून को न केवल लागू किया जाए बल्कि उसे समझा जाए, उसका सम्मान किया जाए। साथ ही इस तरह से लागू किया जाए जिससे सभी के लिए न्याय, निष्पक्षता एवं अवसर को बढ़ावा मिले। रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा एवं केंद्रीय श्रम सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात की।

प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सैन्य विमानन में गुणवत्ता का मतलब सिर्फ तकनीकी विशिष्टताओं को पूरा करना नहीं है बल्कि इसका मतलब परिचालन सुरक्षा, मिशन की तैयारी, विश्वसनीयता एवं रणनीतिक श्रेष्ठता सुनिश्चित करना भी है। मुर्मू ने कहा, '' आपकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि सभी सैन्य विमानन सामग्री चाहे वे स्वदेशी रूप से निर्मित हों या आयातित उच्चतम वैश्विक मानकों के अनुरूप कठोर गुणवत्ता एवं उड़ान करने योग्य आवश्यकताओं को पूरा करती हों।' राष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए न केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को मजबूत करने की जरूरत है, बल्कि निजी क्षेत्र को भी सक्रिय रूप से सक्षम बनाने की आवश्यकता है।

बिहार के सिर्फ 350 स्कूलों में 'सेनेटरी पैड' की सुविधा, 80% लड़कियां इससे वंचित : महिला कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि बिहार में करीब 40 हजार स्कूलों में से मात्र 350 स्कूलों में 'सेनेटरी पैड' उपलब्ध कराने की सुविधा है तथा राज्य में 80 प्रतिशत लड़कियों को महावारी के दौरान इस्तेमाल के लिए 'पैड' नहीं मिल पा रहा है।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए यह दावा किया। उनके दावे पर फिलहाल बिहार सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अलका ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि उनके संगठन ने बेगूसराय, वैशाली और दिल्ली में 'सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन' लगाई। उनका कहना था, ''इन मशीनों के जरिए 50 महिलाओं को रोजगार दिया गया है।'' उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी के जन्मदिन के मौके पर बिहार में 25 हजार महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए जाएंगे। अलका ने कहा, ''बिहार के सच से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण भी अंजान है। आज भारत में 11 वर्ष से 49 वर्ष की करीब 40 करोड़ लड़कियां व महिलाएं हैं जो पीरियड के दौरान पैड का उपयोग करती हैं। ऐसे में हमें हर महीने 400 करोड़ पैड की जरूरत है, लेकिन बिहार में 80 प्रतिशत लड़कियों को पैड नहीं मिलता है।'' उन्होंने दावा किया, ''बिहार के हर स्कूल में सेनेटरी मशीन लगनी थी, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि 40 हजार स्कूलों में से मात्र 350 स्कूलों में सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं।''

बिहार, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में स्कूलों में 'ड्राप आउट' दर पर केंद्र सरकार चिंतित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, झारखंड और मध्य प्रदेश सहित एक दर्जन राज्यों में माध्यमिक स्तर पर छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर पर चिंता जतायी है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने इन राज्यों को एनईपी 2020 में निर्धारित मानकों के अनुरूप ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए विशेष कदम उठाने का सुझाव दिया है।

यह जानकारी 2025-26 के लिए 'समग्र शिक्षा' कार्यक्रम पर शिक्षा मंत्रालय के तहत परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की बैठकों के मिनट दस्तावेज से प्राप्त हुई है।

ये बैठकें अप्रैल और मई 2025 के बीच विभिन्न राज्यों के साथ हुईं। अधिकारियों के अनुसार, सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)के लक्ष्य के अनुसार 2030 तक स्कूल स्तर पर 100 प्रतिशत सकल नामांकन दर (जीईआर) हासिल करना चाहती है लेकिन इसमें ड्रॉपआउट को एक बाधा मानती है। पीएबी की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश, झारखंड, त्रिपुरा, कर्नाटक, पंजाब, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में 2023-24 में छात्रों के माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने की दर चिंता का विषय बनी हुई है।

केंद्र ने इन राज्यों को स्कूली शिक्षा के दायरे से बाहर के बच्चों (ओओएससी) की पहचान करने और उनका दाखिला सुनिश्चित करने के लिए स्कूल के आसपास घर घर जाकर सर्वेक्षण करने एवं एक विशेष नामांकन अभियान शुरू करने की सलाह दी है। पीएबी की रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में खासतौर पर यह देखा गया कि प्रबंधन पोर्टल में स्कूल से बाहर के बच्चों (ओओएससी) के संबंध में डेटा की रिपोर्टिंग में बहुत भिन्नता है। राज्य को सभी ओओएससी की पहचान और प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्कूल प्रबंधन समितियों की पूर्ण भागीदारी के साथ विशेष नामांकन अभियान शुरू करने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया है कि केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में कुल स्कूलों में से 48.99% सरकारी स्कूल हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि इन सरकारी स्कूलों में केवल 57.06% छात्र ही नामांकित हैं। इसलिए यह रेखांकित किया है कि निजी स्कूलों में नामांकन सरकारी स्कूलों की तुलना में अधिक है।

ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ हिंसा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ओडिशा में 20 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलालफ हिंसा बढ़ती जा रही है। ओडिशा के प्रसिद्ध गोपालपुर समुद्र तट पर 20 वर्षीय एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार के मामले में मंगलवार को 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार रात की है जब निजी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रही उक्त छात्रा सहपाठी और प्रेमी के साथ 'राजा पर्व' पर समुद्र तट पर गई थी। प्रियंका गांधी ने पोस्ट किया, ''गोपालपुर, ओडिशा में 10 लोगों ने एक छात्रा के साथ जिस तरह बर्बरता की, उसकी निंदा करने के लिए कड़े शब्द भी पर्याप्त नहीं हैं। ओडिशा में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है।'' उन्होंने दावा किया कि जिस राज्य में मुख्यमंत्री खुद स्वीकार करते हों कि पिछले पांच वर्षों में करीब 44,000 महिलाएं और बच्चे गायब हो चुके हैं, वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता न देना भी अपने आप में महिलाओं के प्रति जुर्म है।

बिहार में महागठबंधन जीता तो तेजस्वी होंगे मुख्यमंत्री: दीपांकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में 'महागठबंधन' की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव हैं और उनका नाम घोषित या अघोषित होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि इसमें कोई असमंजस नहीं होना चाहिए कि 'महागठबंधन' के चुनाव जीतने पर मुख्यमंत्री तेजस्वी होंगे।

भट्टाचार्य ने अपनी पार्टी के लिए पिछली बार से अधिक सीटों की परोक्ष रूप से दावेदारी करते हुए कहा कि भाकपा (माले) लिबरेशन इस बार 40-45 विधानसभा सीटों पर जमीनी स्तर की तैयारी कर रही है। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की संभावना है। पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के घटक दलों में सबसे अच्छी सफलता दर भाकपा (माले) लिबरेशन की थी। वह 19 सीट पर चुनाव लड़ी थी और 12 पर जीत हासिल की थी यानी उसे 63 प्रतिशत सीटों पर कामयाबी मिली।

महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 52 प्रतिशत की सफलता दर से 75 सीटें हासिल की थी। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, लेकिन उसे 27 प्रतिशत सीटों पर ही सफलता मिली थी और सिर्फ 19 सीटें जीती थीं। बिहार में 'इंडिया' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के गठजोड़ को महागठबंधन के नाम से जाना जाता है। इस गठबंधन में वाम दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। यह पूछे जाने पर कि भाकपा (माले) लिबरेशन कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगी तो भट्टाचार्य ने कहा, पिछले विधानसभा चुनाव से यह धारणा है कि यदि माले को अधिक सीटें चुनाव लड़ने के लिए मिली होतीं तो हम लोग सत्ता में होते। कांग्रेस को लड़ने के लिए 70 सीटें मिली थीं, लेकिन उसने 19 जीतीं। हमें 19 सीटें मिली थीं हमने 12 जीतीं। लोकसभा चुनाव में हमें तीन सीटें मिलीं और हम दो जीते। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में जिन क्षेत्रों में माले मजबूती से चुनाव लड़ी और जीती, उन्ही क्षेत्रों में राजद और कांग्रेस का प्रदर्शन भी सबसे अच्छा था।

तेजस्वी का दावा, नीतीश के करीबी ही उनके बेटे के राजनीति में प्रवेश में रोड़े अटका रहे

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी ही सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू)सुप्रीमो (नीतीश) के बेटे निशांत के राजनीतिक करियर में रोड़े अटका रहे हैं जबकि वह सियासी पारी शुरू करने को लेकर इच्छुक हैं।

तेजस्वी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि कुमार की ''भूंजा पार्टी'' में शामिल होने वाले लोग, जो मुख्यमंत्री के करीबी लोगों के लिए बोलचाल का शब्द है, अपने बच्चों को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने आरोप लगाया, ''नीतीश कुमार की 'भूंजा पार्टी' उनकी अस्वस्थ मन:स्थिति का पूरा फायदा उठा रही है। उनमें से कई ने अपने बच्चों और करीबी रिश्तेदारों को प्रभावशाली निकायों में नियुक्त करा दिया है।'' राजद नेता ने हाल के दिनों में राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार पर पक्षपात के आरोप लगा हमले तेज किये हैं। उनके इस तंज कि सरकार के लिए बेहतर होगा कि वह एक ''दामाद आयोग'' स्थापित कर दे, को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थी।

वोट बैंक की राजनीति के लिए आरक्षण का दुरुपयोग कर रही ममता सरकार: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार वोट बैंक की राजनीति के लिए आरक्षण का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के ''आर्थिक रूप से कमजोर लोगों'' के लिए आरक्षण की नीतियों का मुसलमानों को खुश करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। साल्ट लेक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) संघ की एक सभा में अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार नंदीग्राम भूमि आंदोलन के बाद वाम मोर्चे द्वारा शुरू की गई वोट बैंक की राजनीति को जारी रखे हुए है, जिसका उद्देश्य मुसलमानों का समर्थन हासिल करना है। उन्होंने कहा, नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के बाद वाम दलों ने बंगाल में मुसलमानों का समर्थन हासिल करने के लिए वोट बैंक की राजनीति शुरू की थी और अब तृणमूल इसे आगे बढ़ा रही है।

केंद्र की ओर से 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाना लोकतंत्र का मजाक: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाए जाने के फैसले की आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान का मखौल बताया।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता ने भाजपा पर लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करने और उसी संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया, जिसे वह कायम रखने का दावा करती है। बनर्जी ने घोषणा की कि उनकी सरकार 'संविधान हत्या दिवस' नहीं मनाएगी। उन्होंने कहा, ''यह पाखंड के अलावा और कुछ नहीं है। जो लोग संविधान का सम्मान नहीं करते, वे अब इसकी शुचिता को बनाए रखने की बात कर रहे हैं। यह एक मजाक है।''

केंद्र ने 2024 में घोषणा की थी कि 1975 में देश में आपातकाल लगाने के उपलक्ष्य में हर साल 25 जून को ''संविधान हत्या दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा। बनर्जी ने कहा, ''जिस तरह से भाजपा संविधान को बदलने और कमजोर करने की कोशिश कर रही है, उसे देखते हुए हम हर दिन 'संविधान हत्या दिवस' मना सकते हैं।''

बनर्जी ने भाजपा की आलोचना करते हुए इसे अलोकतांत्रिक कार्य करार दिया। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा द्वारा महाराष्ट्र और बिहार में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों को गिराना संविधान पर हमला नहीं था? तृणमूल अध्यक्ष ने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थानों पर नजर रखने और संतुलन स्थापित करने की प्रक्रिया को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र के सत्तारूढ़ दल ने यह ठान लिया है कि लोकतंत्र के सभी स्तंभों, चाहे वह निर्वाचन आयोग हो या मीडिया, वह कमजोर हो। बनर्जी ने कहा, ''हम उन लोगों से लोकतंत्र पर व्याख्यान नहीं सुनना चाहते जो हर दिन लोकतंत्र और (देश के) संघीय ढांचे पर चोट पहुंचा रहे हैं।''

ओडिशा में 24 जून तक भारी बारिश होने का अनुमान: आईएमडी

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि ओडिशा में कई जगहों पर 24 जून तक भारी बारिश होगी।

आईएमडी की ओर से जारी दोपहर के बुलेटिन के अनुसार, पश्चिम बंगाल और उसके आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे झारखंड की ओर बढ़ने का अनुमान है व इसके प्रभाव से 18 से 24 जून के बीच ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी और कुछ जगहों पर बेहद भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार सुबह तक ओडिशा के 30 में से 14 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाते हुए, मयूरभंज और क्योंझर जिलों के लिए 'रेड वार्निंग' जबकि सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, संबलपुर, देवगढ़, अंगुल और बालासोर जिलों के लिए 'ऑरेंज वार्निंग' (कार्रवाई के लिए तैयार रहें) जारी की है। इसी प्रकार, बरगढ़, सोनपुर, बौध, ढेंकनाल, जाजपुर और भद्रक जिलों के लिए येलो वार्निंग जारी की गई है। केंद्रपाड़ा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, खुर्दा, नयागढ़, गंजम, गजपति, नुआपाड़ा, बलांगीर, कालाहांडी, कंधमाल, नबरंगपुर, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों में बिजली चमकने और 30-40 कि.मी.प्रति घंटे गति से हवा चलने का अनुमान है।

संभल में मस्जिद प्रबंधन समिति ने खुद ही गिराना शुरू किया अवैध निर्माण

संभल (उप्र)/भाषा। संभल के चंदौसी में कथित तौर पर नगर निगम की जमीन पर बनी मस्जिद की प्रबंधन समिति ने जिला प्रशासन से नोटिस मिलने के बाद स्वेच्छा से इसके ध्वस्तीकरण का काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चंदौसी नगर पालिका क्षेत्र के वारिसनगर में छह बीघा से अधिक जमीन पर ''अवैध कब्जा'' करके 33 मकान और रजा-ए-मुस्तफा मस्जिद का निर्माण करने की शिकायत के बाद जांच की गई थी। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने नोटिस जारी किए थे।

अधिकारियों ने बताया कि मस्जिद प्रबंधन में नोटिस मिलने के बाद खुद ही ''अवैध'' निर्माण गिराना शुरू कर दिया है, साथ ही प्रशासन ने चंदौसी शहर में कई अन्य अतिक्रमणों को भी हटा दिया है।

भारत को खुश करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, पंत ने विमान हादसे पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। भारत के उप कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को कहा कि खिलाड़ी अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अपने दिमाग में रखेंगे और उन्होंने देश को खुशी देने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने का वादा किया।

अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान पिछले सप्ताह उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। पंत ने कहा, ''विमान (दुर्घटना) में जो कुछ हुआ, उससे पूरा भारत निराश है, लेकिन हम अपनी तरफ से सिर्फ यही कर सकते हैं कि हम भारत को फिर से कैसे खुश कर सकते हैं। ''

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रही पांच मैचों की श्रृंखला में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, ''दुर्घटना में जो कुछ हुआ, उससे कारण लोग बहुत अधिक भावनाओं से गुजर रहे होंगे। हम देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं कि हम उन्हें कैसे खुश कर सकते हैं और यह हमेशा एक अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है।''

झारखंड : नक्सली ठिकाने से 14 आईईडी और विस्फोटक सामग्री बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के एक वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक नक्सली ठिकाने का पता लगाया और वहां से 14 संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और 50 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक सामग्री बरामद की। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उसने बताया कि जवान सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लाए गए विस्फोटकों की तलाश में चितपिल गांव के पास नक्सल विरोधी अभियान चला रहे थे।

पुलिस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, आईईडी को मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। उसने बताया कि मामले की जांच जारी है।

टेस्ट कप्तान के तौर पर पहली श्रृंखला में इंग्लैंड की चुनौती का लुत्फ उठा रहे हैं शुभमन गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। पहली बार टेस्ट श्रृंखला में भारत की अगुआई करने की तैयारी कर रहे शुभमन गिल इंग्लैंड के लगातार बदलते मौसम की चुनौती का सामना कर रहे हैं जबकि सीनियर बल्लेबाज लोकेश राहुल भी इन परिस्थितियों में खेलने को लेकर उतने ही उत्साहित हैं।

शुक्रवार को हेडिंग्ले में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला भारतीय क्रिकेट में पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है जिसमें गिल को नया टेस्ट कप्तान बनाया गया है।

रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी अब टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। इन सभी ने संन्यास की घोषणा कर दी है। सीनियर खिलाड़ियों में रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, राहुल, ऋषभ पंत (उप कप्तान) टीम में बने हुए हैं जो नए नेतृत्व समूह के साथ अनुभव का मिश्रण प्रदान करते हैं।

बीसीसीआई द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो में कप्तान गिल सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने साझा किया कि जब वे इंग्लैंड में खेलने के बारे में सोचते हैं तो उनके दिमाग में क्या आता है। गिल ने कहा, ''ड्यूक बॉल, यह नंबर एक है। मौसम जो हमेशा बदलता रहता है, वह रोमांचक और कठिन है। और दर्शकों का माहौल।'' राहुल ने कहा, ''यहां टेस्ट क्रिकेट खेलना मुझे उत्साहित करता है। यहां की गर्मियां स्वदेश की गर्मियों से अलग है, यह कुछ ऐसा है जिसमें मुझे क्रिकेट खेलने में मजा आता है। जब सूरज निकलता है तो क्रिकेट खेलना बहुत अच्छा लगता है। तीसरी बात है रेस्तरां और खाने के विकल्प।''

स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने इसे सरल रखते हुए कहा, ''स्विंग और सीम, भारत यहां काफी मैच जीत रहा है।'' शुक्रवार को पहले टेस्ट में पदार्पण के दावेदार माने जा रहे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा, ''मौसम, हॉट चॉकलेट, ड्यूक गेंद।'' आठ साल बाद संभावित वापसी के लिए तैयार करुण नायर ने कहा, ''जज्बा, टेस्ट और संस्कृति।'' तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा, ''मैं कहूंगा ड्यूक गेंद, मौसम, कॉफी। बस शहर में घूमें और कॉफी का आनंद लें।'' युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा, ''सुंदर, लॉर्ड्स और घर।'' ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा, ''एक तो यहां हरियाली है, कॉफी है, और बेशक मौसम।''

विराट के खिलाफ नहीं खेलना निराशाजनक : स्टोक्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि टेस्ट श्रृंखला में विराट कोहली जैसे प्रतिद्वंद्वी का सामना नहीं करना निराशाजनक है और उन्हें लगता है कि इस दिग्गज स्टार की अनुपस्थिति से भारतीय टीम में उनके जुझारूपन और जीतने की इच्छा की कमी दिखेगी। कोहली ने पिछले महीने खेल के पारंपरिक प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। इससे कुछ दिन पहले लंबे समय के उनके साथी और कप्तान रोहित शर्मा ने भी संन्यास लेने का फैसला किया था। इससे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम को ब्रिटेन भेजा है।

इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक वीडियो में स्टोक्स ने बताया कि कोहली के संन्यास से भारत को किस चीज की कमी खलेगी। स्टोक्स ने कहा, ''भारत को मुकाबलों के दौरान उनके जुझारूपन, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और जीतने की उनकी इच्छा की कमी खलेगी। '' उन्होंने कहा, ''उन्होंने 18 नंबर की जर्सी को अपना नंबर बना लिया है। किसी भारतीय टी शर्ट के पीछे 18 नंबर नहीं देखना थोड़ा अजीब होगा। वह लंबे समय से उनके लिए शानदार रहे हैं। '' कोहली अपने शानदार करियर के दौरान टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े राजदूत में से एक रहे हैं और ऐसे समय में जब खेल का छोटा प्रारूप टी20 क्रिकेट परिदृश्य पर हावी हो रहा है, ऐसे में पारपंरिक प्रारूप के लिए उनके समर्थन से खेल के समर्थक बहुत खुश थे। स्टोक्स भी पांच दिवसीय प्रारूप के लिए अपना लगाव व्यक्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि कोहली के संन्यास की घोषणा के बाद उन्होंने उन्हें लिखित संदेश भेजा था।

सुविचार

राधा का प्रेम उस धागे की तरह था, जो चाहे जितना भी उलझ जाए, कृष्ण से अलग नहीं हो सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'शांति पुरुष' या 'भ्रांति पुरुष'?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान यह कहकर उनके दावों की हवा निकाल दी कि पाकिस्तान पर हमले इस पड़ोसी देश के अनुरोध पर 'रोके' गए थे, न कि अमेरिका द्वारा मध्यस्थता या किसी व्यापार समझौते की पेशकश की वजह से ऐसा हुआ। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई की थी। पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवाद के अड्डों को तहस-नहस कर दिया था। उनकी तस्वीरें देखकर ट्रंप के मन में तरंग उठी होगी कि मैं इस मौके का इस्तेमाल खुद को 'शांति पुरुष' के तौर पर दिखाने के लिए कर सकता हूं। वे अनर्गल बयानबाजी करने लगे, जिससे न केवल उनकी विश्वसनीयता को हानि पहुंची, बल्कि उनके शब्दों के प्रति गंभीरता में भी कमी आई। ट्रंप 'शांति पुरुष' बनने चले थे, लेकिन 'भ्रांति पुरुष' बन गए! पहलगाम हमला होने के बाद भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट था कि इसके जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा दी जाएगी। उन्हें सजा दी गई। पाकिस्तान ने भारत को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए साजिश रची थी, लेकिन उसके ज्यादातर हमले नाकाम कर दिए गए। अगर यह पड़ोसी देश इस संघर्ष को और लंबा खींचता तो भारत निश्चित रूप से हमले की तीव्रता बढ़ाता। पाकिस्तान के पास भारत से सैन्य अभियान रोकने के संबंध में अनुरोध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उस सैन्य मुकाबले में भले ही उसकी बुरी तरह शिकस्त हुई, लेकिन जनरल आसिम मुनीर ने इसे अपने मुल्क में ऐसे प्रचारित किया, गोया उन्होंने कोई महान उपलब्धि हासिल कर ली। वे 'झूठतंत्र' का सहारा लेकर फील्ड मार्शल बन गए, जिन्हें कई लोग 'फेल्ड मार्शल' या 'फ्रॉड मार्शल' कह रहे हैं। ट्रंप भी अपने नाम के साथ कोई ऊंची उपाधि जोड़ना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा असलियत सामने लाए जाने से अमेरिकी राष्ट्रपति के अरमानों पर पानी फिर गया है।

प्राय: यह सवाल पूछा जाता है कि जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान की 'धुनाई' जारी थी, तो कार्रवाई क्यों रोकी गई? हो सकता है कि उसकी माकूल वजह भविष्य में पता चले। वैसे, कार्रवाई के दौरान और उसके तुरंत बाद जो हालात थे, उन्हें देखकर सही-सही अंदाजा लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। भारत ने पाकिस्तान द्वारा दागी गईं मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट कर दिया था। उसके ड्रोन्स भी नाकारा साबित हुए, जबकि भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों और सैन्य ठिकानों में जबर्दस्त तबाही मचाई थी। अगर भारत अपनी सैन्य कार्रवाई इससे आगे बढ़ाता तो निशाने पर कौन होता? जाहिर है कि हम पाकिस्तान के आम नागरिकों पर तो हमला नहीं करते, उसके आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को ही धराशायी करते। उससे कुछ आतंकवादी और मारे जाते, कुछ इमारतें और नष्ट हो जातीं। क्या इससे पाकिस्तान आतंकवाद का रास्ता छोड़ देता? क्या वह सुधर जाता? जवाब है- नहीं, बिल्कुल नहीं। पाकिस्तान एक कंगाल देश है, जो अमेरिका, चीन, सऊदी अरब, आईएमएफ और विश्व बैंक की मदद से चल रहा है। उसके पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। अगर भारत की सैन्य कार्रवाई से उसके दो-चार हजार लोग मारे भी जाते, तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ता और न ही उसकी हरकतों में कोई सुधार आता। ऐसे में सवाल उठता है- क्या दुश्मन से लड़ने का यही एकमात्र तरीका है कि उस पर अपना महंगा गोला-बारूद बरसाया जाए, खासकर तब, जब भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है? पाकिस्तान के होश ठिकाने लगाने का बेहतरीन उपाय है- उसका दाना-पानी बंद कर दें। फिर वह कैसे आतंकवादियों को पालेगा और कैसे अपनी अवाम को खिलाएगा? भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो फैसला लिया है, वह इसी दिशा में बहुत सही कदम है। इसका असर वहां दिखने लगा है। जब पाकिस्तानी हुक्मरानों से 25 करोड़ लोग रोटी मांगेंगे तो उन्हें आटे-दाल का भाव मालूम हो जाएगा। जो देश खुद तबाही के कगार पर खड़ा है, उसे दंडित करने के लिए ज्यादा संसाधन लगाने की जरूरत ही नहीं है।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र बून्दी के खटकड़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

-ओम बिरला

जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रारंभ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत राजसमंद में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उपस्थित जनों को अभियान के महत्व, उद्देश्यों तथा इसके माध्यम से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रदान की।

-भजनलाल शर्मा

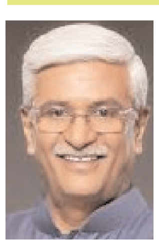

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी। सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी हुकूमत से माँ भारती की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाली महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जी के बलिदान दिवस पर नमन।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

कर्तव्य का बोध

कुरुक्षेत्र की धरती पर दो विशाल सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। एक रथ पर बैठे अर्जुन के हाथ कांप रहे थे। अर्जुन ने धीमे स्वर में कहा, 'हे केशव! मेरे अपने ही सामने खड़े हैं। ये भीष्म पितामह हैं, ये द्रोणाचार्य जिन्होंने मुझे स्नेह दिया, शस्त्र विद्या सिखाई। मैं इन पर बाण कैसे चला सकता हूं?' श्रीकृष्ण बोले, 'हे पार्थ! यह तेरा मोह है। जब तू कर्तव्य से विमुख होता है, तब ज्ञान और विवेक धुंधले पड़ जाते हैं।' अर्जुन ने पूछा, 'मगर क्या अपनों को मारना धर्म है?' श्रीकृष्ण की आंखों में गंभीरता थी। वे बोले, 'यह युद्ध केवल अस्त्रों का नहीं है, यह युद्ध अधर्म के विरुद्ध धर्म का है। तू जिस शरीर को देख रहा है, वह नश्वर है, पर आत्मा अजर-अमर है।' फिर श्रीकृष्ण ने कहा, 'तुझे कर्म करने का अधिकार है, फल की चिंता मत कर। फल तेरे वश में नहीं है।' अर्जुन चुप था। उसका हृदय भारी था, परंतु मन के भीतर एक हल्का-सा प्रकाश फूट रहा था। वह एक योद्धा था, पर आज उसे अपने धर्म का बोध हो रहा था। 'हे माधव! अब मैं मोह से मुक्त हूं। मुझे स्मृति लौट आई है। अब मैं युद्ध करूंगा, क्योंकि यह मेरा कर्तव्य है।' श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ा दिया।

सामयिक

पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया।

एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेज़बानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर ज़ेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

नजरिया

कोचिंग का क्रेडिट, स्कूल की गुमनामी, शिक्षकों के साथ यह अन्याय कब तक?

डॉ सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

आज जब भी कोई छात्र नीट, जी, यूपीएससी या अन्य प्रतियोगी परीक्षा में चयनित होता है, तो मीडिया उसकी सफलता को कोचिंग संस्थान की सफलता के रूप में प्रस्तुत करता है। बधाइयाँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, और सोशल मीडिया पोस्ट्स – सब पर एक ही नाम चमकता है : कोचिंग सेंटर। लेकिन इस पूरे शोरगुल में वह शिक्षक खो जाते हैं, जिन्होंने कभी उस छात्र को पहली बार पेंसिल पकड़ना सिखाया था, जिसने उसे अक्षरों से परिचय कराया था, जिसने उसकी गणना और तर्क की नींव रखी थी। यह वही शिक्षक हैं जो स्कूल और कॉलेजों में वर्षों तक संघर्षरत रहकर बिना किसी विशेष संसाधन के, बच्चों में सोचने की क्षमता और आत्मविश्वास जगाते हैं। यह लेख इसी अदृश्य, उपेक्षित वर्ग की आवाज़ है।

शिक्षा कभी एक बाज़ार नहीं थी। वह एक संबंध था – गुरु और शिष्य का। लेकिन जब से शिक्षा के क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों का वर्चस्व बढ़ा है, तब से यह संबंध एक सेवा और ग्राहक का रूप ले चुका है। छात्र एक उपभोक्ता बन गया है और शिक्षक – एक उत्पाद बेचने वाला। कोचिंग संस्थान अब एक ब्रांड है, जो सफलता बेचता है, और स्कूल का शिक्षक सिर्फ एक सरकारी कर्मचारी, जिसे ना प्रशंसा मिलती है, ना मंच।

शिक्षा में यह असंतुलन क्यों? क्या एक छात्र की सफलता का संपूर्ण श्रेय सिर्फ उस कोचिंग संस्थान को दिया जाना न्यायसंगत है जहाँ वह अंतिम एक या दो वर्षों में गया? और उस स्कूल या कॉलेज की भूमिका क्या शून्य हो जाती है जहाँ उस छात्र ने जीवन के 10-12 वर्ष बिताए? हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी छात्र एकाएक यूपीएससी क्लियर नहीं करता। वह प्रक्रिया कहीं कक्षा-3 की हिंदी की कविता याद करने से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उच्चारण की भूलें

सुधारते हैं। वह गणित के पहले गुणा-भाग से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उंगलियों की गिनती को गणना में बदलते हैं। ये शिक्षक किसी ब्रांड के बोर्ड तले नहीं पढ़ाते, इनकी कक्षाएँ बिना एयरकंडीशनर की होती हैं, और कभी-कभी बिना पंखे के भी। लेकिन इनके पसीने से ही भविष्य की नींव तैयार होती है।

जब कोई छात्र इंटरव्यू में पूछे जाने पर कहता है कि मेरी सफलता मेरे कोचिंग संस्थान की देन है, तो यह वाक्य सुनकर कहीं किसी गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़ा रहा एक शिक्षक चुपचाप मुस्कुरा देता है। वह जानता है कि उसने कुछ तो सही किया होगा, तभी यह छात्र उस जगह तक पहुँच पाया है। लेकिन उस मुस्कान में पीड़ा छिपी होती है, उस चुप्पी में वह सवाल होते हैं जो कोई नहीं पूछता – क्या मेरी कोई भूमिका नहीं थी? कोचिंग संस्थान सफलता का शॉर्टकट दे सकते हैं, लेकिन सोचने की आदत, भाषा की पकड़, सामाजिक चेतना – ये सब स्कूलों में ही पैदा होती है। विद्यालय सिर्फ परीक्षा की तैयारी नहीं कराते, वे व्यक्ति का निर्माण करते हैं।

बाज़ार की भाषा में कहें तो आज शिक्षा एक 'ब्रांडेड सर्विस' बन चुकी है। कोचिंग सेंटर सफलता के ग्राफ के साथ खुद को बेचते हैं, और सफल छात्रों को विज्ञापन की तरह इस्तेमाल करते हैं। यह शोषण का एक नया रूप है, जिसमें मेहनत किसी और की होती है और लाभ किसी और को मिलता है। विज्ञापनों की भाषा देखिए – हमारे यहाँ से 72 चयनित!, आईआर-1 हमारे छात्र!, बिना कोचिंग के असंभव! – इन दावों में किसी स्कूल का नाम नहीं होता। किसी हिंदी, गणित या विज्ञान शिक्षक की तस्वीर नहीं होती, जिन्होंने छात्रों को अपनी सीमित तन्ख्वाह, खस्ताहाल स्कूल और प्रशासनिक दबावों के बीच तैयार किया।

यहां एक और विडंबना है – जिस छात्र कोचिंग सेंटर में जाकर सफल हुआ, वह खुद एक स्कूल से आया था। उसने कभी कक्षा में बोर होकर या मस्ती करते हुए भी सीखा था। उसके व्यक्तित्व में स्कूल की प्रार्थना, शिक्षक का डांटना, लाइब्रेरी का सन्नाटा और प्रायोगिक कक्षाओं की गंध शामिल होती है। लेकिन सफलता के बाद वह स्कूल के बजाय कोचिंग की ब्रांडिंग करता है। यह ट्रेंड केवल समाज की विस्मृति को नहीं दर्शाता, यह हमारी प्राथमिकताओं की गिरावट भी दिखाता है। मूल शिक्षक केवल क्लासरूम तक सीमित कर दिए गए हैं। उनके नाम पर ना कोई स्कॉलरशिप होती है, ना कोई क्रेडिट सिस्टम। वे दिनभर बोर्ड परीक्षा की कॉपियाँ जांचते हैं, चुनाव ड्यूटी निभाते हैं, मिड-डे मील के अंडे गिनते हैं और फिर भी समय निकालकर छात्रों को समझाते हैं – कृपया अपने नाम के आगे ख-ड लगाओ तो एक बार स्कूल ज़रूर आना!

कुछ शिक्षक तो इतने सरल और समर्पित होते हैं कि वे अपने छात्रों की सफलता पर गर्व तो करते हैं, लेकिन उसके सोशल मीडिया पोस्ट में अपना नाम न देखकर भी चुप रहते हैं। वे अपनी भूमिका को ईश्वर के कार्य जैसा मानते हैं – बिना श्रेय की अपेक्षा के, केवल समाजनिर्माण की भावना से। यह चुप्पी अब तोड़नी होगी। हमें एक नया सामाजिक अभियान चलाने की आवश्यकता है, जहाँ हर चयनित छात्र अपने स्कूल और वहाँ के शिक्षकों का नाम खुले मंच पर ले। प्रशासन को ऐसे नियम बनाने चाहिए जहाँ छात्रों की सफलता के साथ-साथ विद्यालय और कॉलेज का भी नाम दर्ज किया जाए। मीडिया को भी अपनी रिपोर्टिंग में कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ उस छात्र के मूल शैक्षिक संस्थान की जानकारी देनी चाहिए। कोचिंग संस्थानों को भी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि वे अपने प्रचार में उस छात्र की संपूर्ण शैक्षिक यात्रा को स्थान दें – केवल अंतिम दो वर्षों को नहीं। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे, तो एक दिन आएगा जब हमारे विद्यालय केवल नाममात्र के रह जाएँगे, और शिक्षा केवल एक महंगी सेवा बनकर रह जाएगी। सच्चा शिक्षक वही होता है जो दीपक की तरह जलता है, ताकि सामने बैठा छात्र उजाले में देख सके। लेकिन दीपक को भी यदि निरंतर नजरअंदाज़ किया जाए, तो अंधकार स्थायी हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बच्चों को बचकाने नहीं समृद्ध और गहरे साहित्य की जरूरत: सुशील शुक्ल

नई दिल्ली/भाषा

साहित्य अकादमी द्वारा बुधवार को हिंदी कहानी संग्रह 'एक बटे बारह' के लिए वरिष्ठ रचनाकार सुशील शुक्ल को प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार दिए जाने की घोषणा किए जाने के बाद शुक्ल ने इस पर प्रसन्नता जाहिर करने के साथ ही कहा कि आज के समय में बच्चों को बचकाने नहीं समृद्ध और गहरे साहित्य की जरूरत है।

पुरस्कार की घोषणा किए जाने के बाद सुशील शुक्ल ने भोपाल से फोन पर पीटीआई भाषा से बातचीत में कहा,''हमें प्रयास करना चाहिए कि बच्चों का साहित्य, कहानी, कविताएं केवल बच्चों की होकर न रह जाएं। उसका विषय ऐसा हो कि हर उम्र का व्यक्ति उनसे संवाद स्थापित कर सकें।''

उनका कहना था कि बाल साहित्य की विषय वस्तु समृद्ध होनी चाहिए। शुक्ल ने कहा कि उनका कहानी संग्रह 'एक बटे बारह' इसी तरह से लिखा गया है कि बच्चों के साथ ही हर उम्र का पाठक उससे जुड़ाव महसूस करता है और अपने लिए भिन्न भिन्न अर्थ लेकर लौटता है। उन्होंने पुरस्कार की घोषणा पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा, '' बहुत अच्छा लग रहा है, सुखद है कि साहित्य अकादमी ने बाल साहित्य जैसे कुछ नजरअंदाज इलाके में भी पुरस्कार स्थापित किया और इस इलाके में हो रहे काम को सराहा।'' उन्होंने कहा कि यह इस सोच को पुरस्कार मिला है कि बच्चों के लिए बचकाना साहित्य नहीं बल्कि समृद्ध एवं गहरा साहित्य जरूरी है।

पिछले 18 वर्षों से बाल साहित्य के क्षेत्र से जुड़े सुशील शुक्ल तक्षशिला के बाल साहित्य एवं कला केंद्र, एकतारा के निदेशक पद के साथ ही, बच्चों की दो पत्रिकाओं- प्लूटो और साइकिल के सह-संपादक भी हैं। वह पिछले एक दशक से चकमक के संपादक भी रहे हैं। सुशील शुक्ल को उनकी पुस्तक एक बटे बारह के लिए वर्ष 2024 का हरिकृष्ण देवसरे बालसाहित्य पुरस्कार भी प्रदान किया जा चुका है।

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार के लिए चयनित आदिवासी कवयित्री पार्वती तिर्की का कहना था कि काव्य कर्म वास्तव में कविताओं के माध्यम से संवाद की कोशिश है और उन्हें इस बात की खुशी है कि इस संवाद का सम्मान हुआ है।

झारखंड के कुडुख आदिवासी समुदाय से आने वाली कवयित्री पार्वती तिर्की को उनके कविता-संग्रह 'फिर उगना' के लिए साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित किए जाने की बुधवार को घोषणा हुई है।

मोदी-कार्नी वार्ता: भारत, कनाडा उच्चायुक्तों की नियुक्ति पर सहमत; संबंधों में स्थिरता बहाल होगी

नई दिल्ली/कनैनिस्किस (कनाडा)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा में उनके समकक्ष मार्क कार्नी ने भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए ''रचनात्मक'' कदम उठाने पर सहमति जताई है, जिसमें दोनों देशों की राजधानियों में उच्चायुक्तों की जल्द बहाली शामिल है, जो तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के उनके इरादे का संकेत है।

मोदी और कार्नी ने मंगलवार को कनैनिस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बहाल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या को लेकर दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद से द्विपक्षीय संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गये थे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने ''विश्वास फिर से बहाल करने'' और संबंधों में ''प्रगति'' के लिए विभिन्न क्षेत्रों में वरिष्ठ मंत्रिस्तरीय तथा कार्य-स्तरीय संवाद को फिर से शुरू करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान और ''संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों'' को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के आधार पर भारत-कनाडा संबंधों के महत्व की पुष्टि की।

इस बयान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारत इस बात को लेकर दबाव डाल रहा है कि कनाडा खालिस्तान समर्थक तत्वों को भारत विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं दे।

दोनों नेताओं ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से शीघ्र प्रगति व्यापार समझौते (ईपीटीए) पर रुकी हुई वार्ता को पुनः आरंभ करने के महत्व को रेखांकित किया।

सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में मोदी ने कहा कि भारत और कनाडा का ''लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन में दृढ़ विश्वास'' है तथा वह और कार्नी भारत-कनाडा मैत्री को गति प्रदान करने के लिए मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने ''किसी मुद्दे को लेकर उपजी चिंताओं एवं उनकी संवेदनशीलता के मद्देनजर आपसी सम्मान बनाए रखने, लोगों के बीच मजबूत संबंध एवं बढ़ती आर्थिक पूरकता'' पर आधारित ''रचनात्मक एवं संतुलित'' साझेदारी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

मंत्रालय ने कहा, ''इस संबंध में दोनों पक्ष संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए संतुलित और रचनात्मक कदम उठाने पर सहमत हुए जिसकी शुरुआत दोनों देशों की राजधानियों में उच्चायुक्तों की शीघ्र बहाली से होगी।''

विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक ने दोनों पक्षों को भारत-कनाडा संबंधों की स्थिति और भविष्य में चर्चा में ''स्पष्टता एवं दूरदर्शी'' दृष्टिकोण अपनाने का अवसर प्रदान किया।

राष्ट्रपति पुतिन देंगे अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के सवालों के जवाब

सेंट पीटर्सबर्ग/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच की बैठक से इतर एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे और अंतरराष्ट्रीय संवाददाताओं के सवालों के जवाब देंगे।

पुतिन ने एसोसिएटेड प्रेस सहित अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के वरिष्ठ पत्रकारों के साथ एक गोलमेज सत्र निर्धारित किया है। अन्य मुद्दों के अलावा, उनके द्वारा इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष पर रूस की स्थिति को स्पष्ट किये जाने की उम्मीद है। उन्होंने इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपम्प के साथ इस सप्ताहांत फोन पर बात की थी और मध्यस्थता करने की पेशकश की थी।

रूस ने दशकों से पश्चिम एशिया में एक नाजुक संतुलन बनाए रखा है, वह इजराइल के साथ अपने मधुर संबंधों को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि उसने ईरान के साथ मजबूत आर्थिक और सैन्य संबंध विकसित किए हैं। रूस की यह नीति उसे शक्तिशाली मध्यस्थ की भूमिका निभाने का अवसर देती है।पुतिन की टिप्पणियों पर यूक्रेन में तीन साल से चल रहे संघर्ष में उनकी रणनीति के संकेतों के लिए भी बारीकी से नजर रखी जाएगी, जहां रूस ने अपने हवाई अभियान को तेज कर दिया है और 1,000 किलोमीटर से ज्यादा की सीमा रेखा पर जमीनी हमले भी बढ़ा दिए हैं। उन्होंने ट्रंप के तत्काल 30-दिवसीय युद्ध विराम के प्रस्ताव को प्रभावी रूप से अस्वीकार कर दिया है, और इसके लिए यूक्रेन के लामबंदी प्रयास को रोकने और पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति पर रोक लगाने की शर्त रखी है। रूसी नेता ने वार्षिक मंच का उपयोग रूस की आर्थिक उपलब्धियों को उजागर करने और विदेशी निवेश प्राप्त करने के लिए किया है। पश्चिमी देशों के अधिकारी पहले इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते थे लेकिन फरवरी 2022 में पुतिन द्वारा यूक्रेन में सेना भेजे जाने के बाद वे इसमें हिस्सा नहीं ले रहे हैं। सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच में अब केवल एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका के कारोबारी नेता ही शामिल होते हैं।मंच के इतर पुतिन इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतों और ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ से मुलाकात करेंगे।

'वॉर 2' में ऋतिक की मैग्रेटिक पर्सनैलिटी को और भी निखारने की कोशिश की है

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म वॉर 2 की कॉस्ट्यूम डिजाइनर अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने बताया है कि इस फिल्म में उन्होंने ऋतिक रोशन की मैग्रेटिक पर्सनैलिटी को और भी निखारने की कोशिश की है। भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक, ऋतिक रोशन ने फिल्म वॉर 2 के टीज़र में एक बार फिर अपने जबरदस्त लुक और स्क्रीन प्रेजेंस से सबका ध्यान खींच लिया है। फिल्म में वह वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स के सुपर-स्पाय कबीर के किरदार में वापसी कर रहे हैं। वॉर 2 के टीज़र के रिलीज होते ही ऋतिक का स्टाइलिश और कूल लुक इंटरनेट पर वायरल हो गया। फिल्म की कॉस्ट्यूम डिजाइनर अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने बताया कि इस बार कबीर को एक और भी ज्यादा मैग्रेटिक और डेप्थ वाला लुक देने की कोशिश की गई है। अनाइता ने कहा,मैं बहुत लकी रही हूँ कि मुझे ऋतिक के साथ धूम 2, बैंग बैंग और कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिला। वॉर के साथ हमने एक नया रास्ता चुना।

ग्रंज लुक से हटकर, हमने एक क्लीन, शार्प, लेकिन फिर भी ऐज वाला लुक बनाया। कुछ ऐसा जैसे कोई सुपरहीरो बिना कॉस्ट्यूम के साधारण कपड़ों में लेकिन खास अंदाज़ में। अनाइता ने कहा, वॉर 2 में कबीर के किरदार को और गहराई से दिखाने की कोशिश की गई है। न केवल इमोशनली, बल्कि विजुअली भी। पतले फैब्रिक्स, थोड़ा रफ-टफ लुक, और ज्यादा रियल फील। फिर भी कबीर का शार्पनेस साफ झलकता है। अनाइता ने कहा, हमने वॉर में जो काम किया। उसका बेस्ट हिस्सा लिया जैसे कि ऋतिक का हेयरकट, उनकी पर्सनैलिटी और उसे और आगे ले गए। उनकी स्टाइल, एटीट्यूड और सादगी ही वॉर 2 में कबीर को खास बनाती है।

आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित वॉर 2 में ऋतिक के सामने होंगे साउथ सुपरस्टार एनटीआर जूनियर। फिल्म में कियारा आडवाणी फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी। वॉर 2, 14 अगस्त 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धनुष वह अभिनेता हैं जो कुछ भी कर सकते हैं : शेखर कम्मुला

हैदराबाद/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक शेखर कम्मुला का कहना है कि धनुष एक ऐसे अभिनेता हैं जो कुछ भी कर सकते हैं। शेखर कम्मुला निर्देशित फिल्म कुबेरा में धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी,रश्मिका मंदाना और जिम सर्भकी अहम भूमिका है। हाल ही में हैदराबाद में हुए कुबेरा के भव्य प्री-रिलीज़ इवेंट में शेखर कम्मुला ने बताया कि यह फिल्म उनके लिये मां जैसी है। उन्होंने कहा कि मां की ममता भिखारी के लिए हो या करोड़पति के लिए, होती तो एक जैसी ही है। बस वही एहसास लेकर बनी है ये कहानी।उन्होंने कहा, पहली बार मैं पूरे यकीन से कह सकता हूं। फिल्म हंसाएगी, रुलाएगी और रोंगटे खड़े कर देगी। सिनेमाघर में ऐसा ताज़ा अनुभव बहुत कम मिलता है।

शेखर ने कहा, धनुष वह अभिनेता हैं जो कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, एक बार मैं नागार्जुन घर शूट पर गया था और छोटा सा ऑटोग्राफ भी लिया था। आज भी उनका एनर्जी लेवल ऐसा है कि सेट चमक जाता है। खुद पर और अपनी टीम पर भरोसा जगा देते है।

'मैं हमेशा कांजीवरम गर्ल रहूंगी' : पूजा हेगड़े

मुंबई । अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने कांजीवरम साड़ियों के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि वह हमेशा 'कांजीवरम गर्ल' रहेंगी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर बैंगनी और सुनहरे रंग की खूबसूरत कांजीवरम साड़ी में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने ड्रॉप इयररिंग्स, चोकर और चूड़ियों के साथ अपने लुक को पूरा किया। मेकअप में उन्होंने न्यूड लिप्स चुना और अपने लंबे काले बाल खुले रखे। शेयर की गई तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, वन्स कांजीवरम गर्ल, ऑलवेज कांजीवरम गर्ल। पूजा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, आप बेहद खूबसूरत हैं। दूसरे ने लिखा, साड़ी में खूबसूरत झलक। कांजीवरम साड़ियां दक्षिण भारत की शानदार शिल्पकला और शुद्ध मलबरी रेशम से बनती है। ये भारी होती है और इनकी बुनाई में बारीक कारीगरी दिखती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा जल्द ही डेविड धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगी। इस रोमांटिक-कॉमेडी-ड्रामा में उनके साथ अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में पूजा हेगड़े, वरुण धवन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, अली असगर, कुब्रा सैत, रोहित सराफ, राजीव खंडेलवाल, नितीश निर्मल और श्रीलीला जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का टाइटल डेविड धवन की साल 1999 की सफल फिल्म 'बीवी नं.1' के गाने 'इश्क सोना है' से प्रेरित है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन मुख्य भूमिकाओं में हैं। रमेश तौरानी के टिप्स बैनर तले बनी इस फिल्म की रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं हुई है। पूजा की हालिया रिलीज 'रेट्रो' कार्तिक सुब्बराज की रोमांटिक-एक्शन है, जिसमें उनके साथ सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में पूजा के किरदार का नाम 'रुक्मिणी' रहता है।

जी5 पर होगा मिनी-सीरीज़ 'बिभीषन' का प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

राजा चंडा निर्मित और निर्देशित तथा सोहम मजूमदार और देबचंद्रिमा सिंह रॉय की प्रमुख भूमिकाओं वाली मिनी-सीरीज का प्रीमियर 27 जून को जी5 पर होगा। जी 5 अपने नवीनतम बंगाली ओरिजिनल बिभीषन के साथ दर्शकों को एक अंधेरे और रहस्यमयी सफर पर ले जाने के लिए तैयार है। इस शो में सोहम मजूमदार मुख्य भूमिका में हैं, जो पुलिस अफसर विधान सेन का किरदार निभा रहे हैं, उनके साथ देबचंद्रिमा सिंह रॉय और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। शो का निर्देशन राजा चंडा ने किया है और इसका निर्माण राजा चंडा फिल्म्स द्वारा किया गया है। बिभीषन का प्रीमियर 27 जून को केवल जी 5 पर किया जाएगा। शांतिपूर्ण कस्बे, बीरभूम के की पृष्ठभूमि पर आधारित बिभीषन की कहानी सब-इंस्पेक्टर विधान सेन (सोहम मजूमदार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक शांत लेकिन बेहद तेज दिमाग वाले अफसर है, जिसकी निजी जिंदगी मुश्किल दौर से गुजर रही है और जिसका पेशेवर जीवन भी अब अराजकता की कगार पर है। जब एक रहस्यमयी चोर, एक सिरकटी लाश और एक निर्मम हत्या के मामले एक के बाद एक उसके सामने आते हैं, तो विधान और उसकी टीम खुद को सुरागों की एक ऐसी अंधेरी भूलभुलैया में पाते हैं, जो किसी भी तरह से मेल नहीं खा रहे। हर खुलासा पिछले से ज्यादा परेशान करने वाला होने के कारण, बिभीषन बार-बार ये सवाल उठाता है: क्या असली खतरा बाहर है.....या किसी की कल्पना से बहुत ज्यादा पास है।

निर्देशक राजा चंडा ने कहा, पहले ड्राफ्ट से लेकर आखिरी फ्रेम तक, बिभीषन का निर्देशन करना मेरे लिए एक बेहद रोमांचक यात्रा रही है। यह एक ऐसी कहानी है जो शांत तरीके से शुरू होती है, लेकिन धीरे-धीरे आपको एक ऐसी दुनिया में खींच ले जाती है जहां हर किरदार के पास कुछ न कुछ छिपाने के लिए है। इस प्रोजेक्ट पर जी 5 के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। क्षेत्रीय कहानियों और नई कहानी कहने में उनकी विश्वास ने इस थ्रिलर को उस रूप में सामने लाने में हमारी मदद की, जिसकी यह हकदार थी। पूरी टीम, खासकर सोहम और देबचंद्रिमा ने अपने अभिनय में गहराई और ईमानदारी दिखाई है, जो वाकई सराहनीय है। ट्रेलर में भले ही आपको सस्पेंस की एक झलक मिले, लेकिन दर्शकों के लिए इसमें और भी बहुत कुछ है। अप्रत्याशित ट्विस्ट, भावनात्मक पल और एक ऐसी कहानी जो आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। हमें बेसब्री से इंतजार है कि बिभीषन जी5 पर प्रीमियर हो और दर्शक इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनें।

सलमान खान ने दर्शील सफारी के फिल्मी व ओटीटी डेब्यू, 'गेमरलॉग' डेब्यू को दिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने दर्शील सफारी के फिल्मी एवं ओटीटी डेब्यू, 'गेमरलॉग' डेब्यू को आशीर्वाद दिया है। जब बॉलीवुड के 'भाईजान', यानी सलमान खान बोलते हैं, तो उसे दुनिया सुनती है। इस बार सलमान खान ने अमेज़न एमएक्स प्लेयर की दर्शील सफारी और अंजलि शिवरामन की मुख्य भूमिका से सजी नवीनतम और अब तक की सबसे अनूठी सीरीज 'गेमरलॉग' की टीम के लिए के प्रशंसा के शब्द बोले हैं।

खास बात यह है कि 'गेमरलॉग' दर्शील सफारी का ओटीटी डेब्यू भी है, जो इसे और भी अधिक प्रतीक्षित लॉन्च बनाता है। आर्य देव के निर्देशन से सजी इस सीरीज का निर्माण अभिनय देव, नीता शाह, भारत कुमार शाह और युग देव ने अपने बैनर आरडीपी पल्प फिक्शन एंटरटेनमेंट के तहत किया है। अमेज़न की नई सीरीज 'गेमरलॉग' प्रतिस्पर्धी ई-स्पोर्ट्स के उच्च दांव-पेंच और भावनात्मक रूप से चार्ज की गई दुनिया में गहराई से गोता लगाता है।

निर्माता-निर्देशकों का दावा है कि यह एक ऐसा ब्रह्मांड है, जिसे कभी भी किसी फिक्शन वेब सीरीज या फिल्म में अब तक नहीं दिखाया गया है। उनका तो यहां तक कहना है कि पहली बार किसी मुख्यधारा की भारतीय सीरीज गेमिंग की दुनिया को इतने जमीनी, नाटकीय और भरोसेमंद तरीके से दर्शकों के सामने ला रही है। निर्माता-निर्देशकों का कहना है कि हाल ही में रिलीज हुई इस सीरीज को पहले ही दर्शकों की ओर से इसके नए अंदाज, सम्मोहक पात्रों और भावनात्मक गहराई को लेकर उत्साहित करने वाली प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

सलमान खान ने इस सीरीज के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया और पूरी टीम को शुभकामना दीं। उन्होंने कहा,'आप सभी को बधाई, बहुत बढ़िया। सलमान ने कहा,'गेमरलॉग' जितना गेमिंग के बारे में है, उतना ही 'लॉग' के बारे में भी है। उनके संघर्ष, उनकी भावनाएं और एक-दूसरे के साथ और उनके परिवारों के साथ उनके संघर्ष, केवल ई-स्पोर्ट्स की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए है। उल्लेखनीय है कि अमेज़न शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, फायर टीवी, मोबाइल और कनेक्टेड टीवी के माध्यम से 'गेमरलॉग' अब अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

प्रभास के साथ पहली मुलाक़ात भगवान के दर्शन के समान : मारुति

हैदराबाद/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक मारुति, मेगा स्टार प्रभास के साथ अपनी पहली मुलाक़ात को भगवान के दर्शन के समान मानते हैं। इमारुति के निर्देशन में बनी फिल्म द राजा साब में प्रभास लीड रोल निभा रहे है। यह उनका पहला पूरा हॉरर एंटरटेनर है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। मारुति ने बताया की कैसे द राजासाब की शुरुआत हुई। मारुति ने बताया कि वह उस वक्त गोपीचंद के साथ एक प्रोजेक्ट कर रहे थे। उन्होंने बताया कि ज़ब वह पहली बार प्रभास से मिले तो उन्हें लगा कि जैसे भगवान के दर्शन हो गए। मारुति ने बताया कि प्रभास ने उनसे कहा मुझे फिल्म में 'प्रेमा कथा चित्रम' और 'भले भले मगादिवॉय' वाली फील चाहिए और मुझे डार्लिंग कहो! यहीं से हम दोनों के बीच गहरी बॉन्डिंग बन गई। मारुति ने बताया कि फिल्म द राजा साब बनाने में उन्हें शुरुआत में काफी कठिनाई हुई। कुछ निर्माता पीछे हट गए। एक दिन रात के दो बजे प्रभास का कॉल आया और उन्होंने कहा बॉस! स्क्रिप्ट सुपर है! मारुति ने खुद से सवाल किया मैं क्यों नहीं लिख सकता कमाल की स्क्रिप्ट? यही बना 'राजासाब'। मारुति ने बताया,प्रभास हर मीम, हर फैन पोस्ट को खुद देखते हैं। रात दो बजे कॉल कर के टीजर पर चर्चा करते हैं। प्रभास अपने फैंस से हज़ार गुना ज़्यादा प्यार करता है। सेहत की परवाह नहीं करता, बस चाहता है कि फिल्म शानदार हो। यह फिल्म फैंस को विंटेज डार्लिंग प्रभास की याद दिलाएगी। 'बुज्जीगाडु' जैसा वाइब। इस फिल्म में प्रभास अपने कॉमेडी कौशल का प्रदर्शन करके अपने प्रशंसकों को एक ट्रीट देंगे। उन्होंने कहा कि फ़िल्म प्रशंसकों की उम्मीदों से बढ़कर होगी। फिल्म 'द राजा साब' का निर्देशन मारुति ने किया है, जबकि इसे विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। इस पैन-इंडिया फिल्म में प्रभास के साथ संजय दत्त,मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और रिधि कुमार नजर आएंगी। 'द राजा साहब' 5 दिसंबर को हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

एक नई भाषा में काम करना मेरे लिए चुनौती थी : मिथिला पालकर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म 'ओहो एंथन बेबी' के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था। मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था। 'लिटिल थिंग्स', 'कारवां' और 'चॉपस्टिक्स' के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था।बता दें कि तमिल फिल्म 'ओहो एंथन बेबी' में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। पोस्टर में अभिनेत्री लाल रंग की ड्रेस पहने नीचे बैठे अभिनेता रुद्र द्वारा पकड़े गए कैमरे के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं।कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी 'ओहो एंथन बेबी' में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा।मिथिला ने 'ओहो एंथन बेबी' की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला।उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत महेश छात्रवृत्ति का भव्य शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई, मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट तथा श्री माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महेश नवमी महोत्सव के पावन अवसर पर कोला पेरुमल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में महेश छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में किया गया। इस आयोजन में तमिलनाडु-केरल-पुडुचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, माहेश्वरी सभा, चेन्नई के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा, उपाध्यक्ष कमल किशोर गोयदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, सचिव संजय मूंधड़ा, सह-सचिव सुरेश भट्टड़, मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया तथा माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी मंचासीन रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी भगवती महेश बल्दवा ने कहा कि माहेश्वरी समाज द्वारा इतनी बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियां प्रदान करना अत्यंत प्रेरणादायक है। यह आज की पीढ़ी के लिए दिशा देने वाला कदम है। कार्यक्रम के चेयरमैन कमल किशोर गोयदानी ने बताया कि इस वर्ष चेन्नई के 14 विद्यालयों से चयनित 160 मेधावी विद्यार्थियों को महेश छात्रवृत्ति, नोटबुक्स और स्टेशनरी किट प्रदान की गई। यह समाज की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और प्रगतिशील सोच का परिचायक है। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

संस्कार की नींव पर ही चरित्र निर्माण के मंजिल खड़ी होती है : कमलमुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शेनायनगर के कोठारी पैलेस में राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने कहा कि धन वैभव और संपत्ति पद और प्रतिष्ठा सब होने के बावजूद भी संस्कारों का समावेश नहीं है। तो वरदान के स्थान पर अभिशाप बनेगा।

संस्कार की नींव पर ही चरित्र निर्माण के मंजिल खड़ी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पानी का अपना कोई रंग नहीं होता है जैसे रंग में मिलता है वैसा बन जाता है। वैसे ही आने वाली पीढ़ी में जैसे संस्कार मिलेंगे। वैसे ही ढलेंगे माता-पिता के आचरण के संस्कारों का प्रभाव बच्चों पर अवश्य पड़ता है।

मुनि कमलेश ने कहा कि आत्मा में गर्भ में संस्कारों का बीजारोपण होता है वह मजबूत और अमिट होता हैश्र पैतृक संस्कार सर्वोत्तम संस्कार होते हैं। वह माता-पिता संतान के शत्रु हैं। अच्छे संस्कारों का बीजारोपण नहीं करते। राष्ट्रसंत ने कहा कि संस्कारों का धन कोई चुरा नहीं सकता बांट नहीं सकता मिटा नहीं सकता। जन्म जन्म तक आत्मा का उत्थान करते हैं। बुरे संस्कार से बचने का प्रयास करें वह तो घुसपेठिया की भांति प्रवेश कर जाते हैं। परंतु अच्छे संस्कारों के लिए प्रयास करना पड़ता है। जैन संत ने कहा कि अच्छे लोगों की संगति और अच्छे साहित्य पढ़ने पर अच्छे संस्कारों का विचारों में संचार होता है। जिससे खुद का उत्थान तो होता है साथ ही संपर्क में आने वाले सबका कल्याण होता है। अमरचंद कोठारी, पदम चंद कोठारी, विजय राज कोठारी, गौतम डूंगरवाल, सुदर्शन छल्लानी वीरांगना कार्यक्रम को जन-जन में पहुंचने का संकल्प लिया।

इस मौके पर संत कमल मुनि जी कमलेश एवं प्रखर वक्ता कपिल मुनि जी आध्यात्मिक मधुर मिलन हुआ।

मंजूनाथनगर मर्चेंट एसोसिएशन की बैठक में पारिवारिक यात्रा पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के मंजूनाथनगर मर्चेंट एसोसिएशन की साधारण सभा बुधवार को अध्यक्ष उत्तमचन्द आच्छा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष आच्छा ने एसोसिएशन के कार्यों के बारे में बताते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्री रनीत कोठारी ने मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष सुखदेव टॉक ने आय-व्यय का ब्यौरा देते हुए गत 41 अमावस्या से आयोजित होते आ रहे अन्नदान कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में एसोसिएशन के अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा सदस्यों ने एक पारिवारिक यात्रा आयोजित करने का सहमति से निर्णय लिया। अंकित आच्छा ने धन्यवाद दिया।

भारतीय संस्कृति की सुरक्षा में संतों का योगदान महत्वपूर्ण है : जैन संत पुलकित कुमार

भारतीय संत महा परिषद के आयोजन में जुटे संतगण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय संत महापरिषद के लोकार्पण कार्यक्रम में जैन धर्म का प्रतिनिधित्व करते हुए मुनि डॉ पुलकित कुमार जी, आदित्य कुमार जी शामिल हुए। राजराजेश्वरी नगर स्थित कैलाश आश्रम के तत्वावधान में कनकपुरा रोड के प्रेस्टीज सेंटर का परफॉर्मिंग आर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में अनेक संप्रदाय के एक हजार से अधिक संत, मठाधीश एवं महामंडलेश्वरों की गरिमामय उपस्थिति थी। इस अवसर पर मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने कहा, भारत भूमि पर संतों का विशेष सम्मान होता रहा है क्योंकि वे सामाजिक और धार्मिक क्रियाओं में महत्वपूर्ण और मुख्य भूमिका निभाते हैं। संत हमेशा भलाई का काम करते हैं। संत परंपरा भारतीय संस्कृति की विशिष्ट पहचान रही है। अनेकता में एकता यही भारत की विशेषता प्राचीन समय से बनी आ रही है जिसे आज संरक्षित करना अत्यंत जरूरी है। भारत माता पुण्य भूमि के रूप में पहचानी जाती है उसकी अखंडता के लिए हमें सदैव प्रयास करना है।

मुनिश्री ने जैन संतों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, भारतीय संस्कृति की सुरक्षा में जैन संतों का भी विशेष योगदान रहा है जिसे विस्मृत नहीं किया जा सकता। जैन संतों ने अखंड भारत बने रहने के लिए अनेक प्रयास करते हुए पदयात्राएं की हैं। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में श्री त्रिची महास्वामी मठ के जयेंद्रपुरी महास्वामीजी ने आगंतुक सभी संतों का स्वागत करते हुए कहा, भारतीय संत महापरिषद नामक संस्था के गठन का एकमात्र उद्देश्य है विशाल भारतवर्ष एवं पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति के सभी पहलुओं का संरक्षण करना। आज अनेक विदेशी संस्कृतियां भारतीय संस्कृति को खत्म करने का प्रयास कर रही हैं जिसके लिए हम सभी को जागरूक रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में अयोध्या से पधारे स्वामी रामभद्राचार्य जी, आदि चुनचुनगिरी मठ के डॉ निर्मलानंद स्वामीजी, विजयेंद्र सरस्वती महास्वामीजी, बिहार से पधारे रामजीवन दास स्वामीजी, देवनाथ रामानुजाचार्य स्वामीजी, जापान से आए बोधिनाथ स्वामीजी, श्रृंगेरी मठ के महास्वामीजी आदि ने अखंड भारत की एकता के लिए महा संकल्प का उच्चारण किया।

जागरूकता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के नागरकोविल में भारतीय जैन संगठना (बीजेएस) तमिलनाडु के राज्याध्यक्ष कमल किशोर तातेड़, महामंत्री राजेश पोखरना, पूर्व राज्याध्यक्ष रमेश पटावरी 17 जून को पहुंचे। जैन भवन में उनकी अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। समाज और पर्यावरण विषय पर चर्चा की गई। इस मौके पर लोगों को पौध बांटी गई और पर्यावरण के प्रति सजग रहने की बात कही।

सदाचरण है मनुष्य के ज्ञानी और धार्मिक होने का सार : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। स्थानीय आदिनाथ जैन धर्मशाला में समाज के सभी संप्रदायों की संयुक्त धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आराधना-उपासना मनुष्य के धार्मिक होने का परिचायक है, लेकिन सदाचरण धर्म का महत्वपूर्ण पक्ष है। हम अपने आराध्य की कितनी ही साधना, उपासना करते हों, यदि हमारा आचरण और व्यवहार गलत हैं तो हमारे धार्मिक होने का कोई अर्थ नहीं है। जैन शास्त्रों ने सदाचार रहित धार्मिक क्रियाकलापों को पाखंड की संज्ञा दी है। हम दिखावा या बनावट कर दुनिया को मूर्ख बनाने की चेष्टा कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करते हुए हम स्वयं की आत्मा को मूर्ख नहीं बना सकते। उसके साथ धोखा नहीं कर सकते। हकीकत में सदाचरण हमारे ज्ञान की और हमारे धार्मिक होने की परीक्षा है।

जैनाचार्य ने कहा कि धर्म के विधि-विधान कर भक्त और धार्मिक दिखना सरल है, लेकिन अपने आचरण से भक्त या धार्मिक बनना सरल नहीं है। सभी को यह तथ्य और सत्य स्मरण में रहना चाहिए कि धर्म केवल उपासना के लिए नहीं होता। वह तो विचारों की पवित्रता, आचरण की शुद्धता और व्यवहार की सुचिता के लिए होता है। मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा, धर्मस्थानक आदि साधना-उपासना के केंद्र हैं। इन्हें प्राप्त कर मनुष्य को अच्छाइयां सीखनी होती हैं और अपनी बुराइयों को दूर करना होता है। इसलिए सिर्फ नाम के या दिखावे के धार्मिक होने का कोई अर्थ नहीं है। ऐसा करने से तो जीवन में केवल पाखंड बढ़ेगा और हम लोगों को धोखा देने का काम करेंगे। इस प्रकार धार्मिक होकर न तो जीवन को शांति मिल सकती है और ना ही सुख। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी आदि संतजन भी उपस्थित थे।

स्थानकवासी जैन महासंघ के निर्णय हों फलीभूत, संघ लागू करे : धारीवाल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ द्वारा सात सूत्री मार्गदर्शिका के प्रस्तुतिकरण की घोषणा का स्वागत करते हुए ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन के कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल ने कहा कि निश्चित ही इन नियमों को शहर के सभी स्थानकवासी संघों को धरातल पर लागू करने की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में यहां महासंघ की सात सूत्री मार्गदर्शिका में अब स्थानकवासी समाज द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में मात्र 11 खाद्य पदार्थ परोसने की बात, चातुर्मासिक प्रवेश में जुलूस अथवा वाद्य यंत्रों के प्रयोग नहीं करने, प्रवचन समय को अनुशासित रखने व ज्ञान वृद्धि को विशेष प्रोत्साहन देने का भी जिक्र है जो कि सराहनीय है। धारीवाल ने कहा कि आगामी दिनों में चातुर्मास के दौरान यह पारित उचित प्रस्तावों के निर्णय लागू होने पर निश्चित ही बेंगलूरु के ऐतिहासिक कदम की चहूं ओर सराहना होगी।

मदुरै पैंथर्स ने अश्विन की अगुआई वाली ड्रैगन्स के खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ की शिकायत वापस ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने बुधवार को कहा कि सीचेम मदुरै पैंथर्स ने आर अश्विन की अगुआई वाली डिंडीगुल ड्रैगन्स के खिलाफ लगाए गए गेंद से छेड़छाड़ के आरोपों को वापस ले लिया है।

पैंथर्स ने ड्रैगन्स पर 14 जून को सलेम में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) मैच के दौरान रसायन लगे तौलिये का उपयोग करके गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था।

टीएनपीएल के सीईओ प्रसन्ना कन्नन ने कहा, उचित विचार विमर्श के बाद पैंथर्स टीम के प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ ने खेल के व्यापक हित और टूर्नामेंट के सुचारू संचालन को देखते हुए शिकायत वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, उन्होंने आगे स्पष्ट किया है कि शिकायत के पीछे का उद्देश्य डिंडीगुल ड्रैगन्स के कप्तान आर अश्विन, डिंडीगुल ड्रैगन्स टीम, मैच अधिकारियों, टीएनपीएल या टीएनसीए को बदनाम करना नहीं था।

कन्नन ने कहा कि चूंकि पैंथर्स ने अपनी शिकायत वापस लेने का फैसला किया है इसलिए इस मामले पर आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मंगलूरु तट पर ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के अंडों से बच्चे निकलने की दर 74 प्रतिशत तक पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु के तटीय इलाकों में ओलिव रिडले समुद्री कछुओं की सुरक्षा के लिए किए गए संरक्षण प्रयासों से अंडों से जीवित बच्चे निकलने की सफलता दर रिकॉर्ड 74 प्रतिशत तक पहुंच गयी है जो पिछले साल के 50.3 प्रतिशत की तुलना में जबर्दस्त वृद्धि है।

मंगलूरु मंडल के उप वन संरक्षक (डीसीएफ) एंथनी एस मरिअप्पा के अनुसार इस मौसम में 24 घोंसलों में 2,490 अंडे दर्ज किए गए जिनमें से 1,842 बच्चे सफलतापूर्वक अरब सागर में छोड़े गए।

उन्होंने बताया कि इन रिडले समुद्री कछुओं के घोंसले बनाने की गतिविधि कई समुद्र तटीय इलाकों में दर्ज की गई जिसमें ससिहित्लु में आठ, इड्या बीच पर 13 और बेंगा, तन्निर्भवी एवं पणम्बूर में एक-एक घोंसला शामिल है। इसकी तुलना में पिछले सीजन में ससिहित्लु, बेंगा, इड्या और चित्रापुरा जैसे समुद्र तटों पर 21 घोंसलों में 1,958 अंडों से इन कछुओं के केवल 985 बच्चे ही निकले थे।

मरिअप्पा ने इस बेहतर परिणाम का श्रेय इस साल लागू की गई उन्नत संरक्षण पद्धतियों को दिया।

उन्होंने कहा, प्राकृतिक रूप से अंडों से बच्चों का निकलना हमेशा बेहतर होता है लेकिन मिट्टी की गुणवत्ता जैसी कुछ चुनौतियों से हमने सीखते हुए अपने दृष्टिकोण में सुधार किया है जिसके परिणाम सामने हैं। उन्होंने बताया कि कुछ समुद्र तटों विशेष रूप से बेंगा और तन्निर्भवी में मिट्टी के ठोस होने की समस्या के निदान के लिए अधिकारियों ने कमजोर घोंसलों को अधिक अनुकूल स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया। इस कदम से कछुओं के जीवित रहने की दर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण लाभ हुआ।

नीलांबुर उपचुनाव :

70 के दशक में माकपा के जनसंघ से कथित गठबंधन पर छिड़ी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। नीलांबुर उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान होगा और इस बीच इस निर्वाचन क्षेत्र में 1970 के दशक में माकपा और जनसंघ (भाजपा का पूर्व संगठन) के बीच कथित समझौते को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। कांग्रेस-यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने कहा कि इस तरह के और गठबंधन बनने की काफी संभावनाएं हैं, जबकि माकपा-एलडीएफ उम्मीदवार एम स्वराज ने कहा कि उस समय वामपंथियों ने जनसंघ के साथ नहीं, बल्कि जनता पार्टी के साथ सहयोग किया था। उन्होंने कहा कि उस दौरान अलग-अलग विचारधारा वाले लोग जनता पार्टी का हिस्सा बन गए थे।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए शौकत ने दावा किया कि कम्युनिस्ट पार्टी ने अतीत में खुले तौर पर स्वीकार किया था कि उसने 1967 में ही कम से कम तीन या चार राज्यों में आरएसएस से जुड़े जनसंघ के साथ गठबंधन किया था, जिसका उद्देश्य तत्कालीन कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाना था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके राजनीतिक दस्तावेज में इसका स्पष्ट उल्लेख है। शौकत ने दावा किया, ''भविष्य में ऐसे गठबंधन बनने की संभावना 100 प्रतिशत है।'' हालांकि, स्वराज ने कहा कि दशकों पहले वामपंथियों ने भाजपा या जनसंघ के साथ नहीं, बल्कि जनता पार्टी के साथ हाथ मिलाया था। माकपा के राज्य सचिवालय सदस्य ने यह भी कहा कि जब आरोप सामने आए कि जनता पार्टी पर आरएसएस का नियंत्रण है तो मार्क्सवादी दिग्गज और राज्य के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री ई.एम.एस. नंबूदरीपाद ने बाद में घोषणा की थी कि वे आरएसएस के वोट नहीं चाहते हैं।

स्वराज ने यह भी आरोप लगाया कि बाद में कांग्रेस ने ही आरएसएस-नियंत्रित जनता पार्टी के साथ सहयोग किया था। उन्होंने कहा कि मार्क्सवादी पार्टी का हमेशा से धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने और सांप्रदायिकता का विरोध करने का इतिहास रहा है। पिनराई विजयन सरकार के लगातार दूसरे कार्यकाल को पूरा करने में बस कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में नीलांबुर में उपचुनाव सत्तारूढ़ माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ और विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ दोनों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गई है। उपचुनाव 19 जून को होगा और मतगणना 23 जून को होगी।

सिंगापुर के ध्वज वाले जहाज में लगी आग पर आंशिक रूप से काबू पाया गया : डीजीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) ने बुधवार को कहा कि सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज में लगी आग पर आंशिक रूप से काबू पा लिया गया है। पिछले सप्ताह केरल तट के पास इसमें आग लग गई थी।

डीजीएस की रिपोर्ट में 17 जून तक की स्थिति के बारे में बताया गया है कि जहाज एमवी वान हाई 503' के अधिकांश हिस्सों में दिखाई देने वाली आग की लपटों और धुएं में उल्लेखनीय कमी आयी है। इस जहाज के एक कंटेनर में विस्फोट के बाद आग लग गयी थी। यह जहाज मुंबई से कोलंबो जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य सकारात्मक घटनाक्रम यह है कि जहाज की गति कम हो गयी है और अभी वह केरल तट से करीब 68.5 समुद्री मील दूर है।

इसमें कहा गया है कि साथ ही जहाज के कुछ हिस्सों से लगातार निकल रहा धुआं, आंतरिक हिस्सों में आग लगने का इसका इतिहास और प्रतिकूल मौसम चिंता का विषय हैं।

डीजीएस ने कहा, घटनास्थल पर मौसम प्रतिकूल बना हुआ है, 29-34 नॉट की गति से पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो 39 नॉट तक पहुंच सकती हैं, बीच-बीच में भारी वर्षा हो रही है और कई बार दृश्यता शून्य हो रही है, जिसके कारण अग्निशमन और जहाज पर चढ़ने के कार्यों में काफी बाधा आ रही है।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि केरल तट के निकट बहकर आए एक शव की पहचान स्थानीय अधिकारियों की मदद से की जा रही है। जहाज पर 22 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें से 18 को बचा लिया गया है, जबकि चार अब भी लापता हैं।

तेयुप विजयनगर द्वारा तुलसी विनयांजलि भक्ति संध्या आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा आचार्य तुलसी के 29वें महाप्रयाण दिवस व आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर व आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल के दानदाताओं के सम्मान का कार्यक्रम कासिया सभागार में आयोजित किया गया। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत करते हुए सभी दानदाताओं को धन्यवाद दिया। इस मौके पर अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा, अन्य राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों ने नए एटीडीसी के उद्घघाटनकर्ता शायर-हीरालाल मालू परिवार, मुख्य प्रायोजक रोशनलाल दिनेश पोखरना परिवार, प्लेटिनम प्रायोजक सुशीलादेवी हीरालाल मांडोत परिवार सहित अन्य सहयोगियों का सम्मान किया। इस मौके पर सूरत से आई गायिका अभिलाषा बांठिया ने तुलसी विनयांजलि भक्ति संध्या में भक्ति भाव से भिक्षु व तुलसी को समर्पित भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संजय भटेवरा एवं अभिषेक कावड़िया ने किया। सहमंत्री कमलेश दक ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.